हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 217, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 8 फरवरी, 2024 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

देश को बांटने की कोशिश कर रही कांग्रेस : पीएम मोदी

पीएम ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन को किया संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में अपनी बात रखी। अपने संबोधन की शुरूआत में पीएम मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण की तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा 'संविधान की यात्रा के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर राष्ट्रपति जी के भाषण का एक एतिहासिक महत्व भी रहता है। उन्होंने अपने भाषण में भारत के उज्वल भविष्य के प्रति विश्वास को प्रकट किया है और भारत के कोटि-कोटि जनों का जो सामर्थ्य है, उसे भी बहुत कम शब्दों और बहुत शानदार तरीके से सदन में प्रस्तुत किया है। मैं राष्ट्रपति जी के इस प्रेरक उद्बोदन के लिए और राष्ट्र को दिशा देने के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं।' प्रधानमंत्री ने कहा 'आज भी आप न सुनने की तैयारी के साथ आए हैं। लेकिन मेरी आवाज को आप दबा नहीं सकेंगे। देश की जनता ने इस आवाज को ताकत दी हुई है। देश की जनता के आशीर्वाद से आवाज निकल रही है। इसलिए इस बार मैं भी पूरी तैयारी से आया हूं। मैंने सोचा था उस वक्त कि अगर आप जैसे व्यक्ति सदन में आए हैं, तो मयार्दाओं का पालन करेंगे। लेकिन तब आपने क्या जुर्म किया था उस वक्त।' उन्होंने कहा 'मैंने भी तब प्रार्थना की थी। की क्या थी मैं तो करता ही रहता हूं। पश्चिम बंगाल से एक आवाज आई थी कि कांग्रेस 40 पार नहीं कर पाएगी। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप 40 बचा पाएं।' प्रधानमंत्री ने कहा 'मैंने सुना है लोकतंत्र में आपका कहने का अधिकार है और हमारी सुनने की जिम्मेदारी है। आज जो भी बातें हुई हैं, उसे मुझे देश के सामने रखना चाहिए। जब मैं सुनता हूं तब मेरा विश्वास पक्का हो गया कि यह पार्टी (कांग्रेस) सोच से भी आउटडेटेड हो गई है। जब सोच आउटडेटेड हो गई है, तो उनका काम भी आउटडेटेड हो गया है। देखते ही देखते इतने दशकों तक देश पर राज करने वाला दल, इतना बड़ा दल, उसका यह हाल हो गया। हमें खुशी नहीं हो रही, हमें संवेदना है। लेकिन डॉक्टर क्या करेगा, जब मरीज ऐसा हो तो।' पीएम मोदी ने कहा 'जिस कांग्रेस ने सत्ता के लालच में सरेआम लोकतंत्र का गला घोंट दिया था। जिस कांग्रेस ने दर्जनों बार लोकातांत्रिक तरीकों से चुनकर आई सरकारों को रातों रात भंग कर दिया। बर्खास्त कर दिया। जिस कांग्रेस ने देश के संविधान-लोकतंत्र की मयार्दाओं को जेल के पीछे बंद कर दिया था। जिस कांग्रेस ने अखबारों पर ताले लगाने की कोशिश की। जिस कांग्रेस ने देश को तोड़ने का नया नैरेटिव गढ़ने का काम किया है। जो उत्तर-दक्षिण को तोड़ने की बात कह रही है। वह हमें फेडरलिज्म पर प्रवचन दे रही है।' 'जिस कांग्रेस की अपने नेता की कोई गारंटी नहीं, अपनी नीति की कोई गारंटी नहीं, वो मोदी की गारंटी पर सवाल उठा रहे हैं। हम ऐसा क्यों कहते हैं हम ऐसा क्यों देख रहे हैं। देश उनके 10 साल के कार्यकाल से क्यों नाराज था। इतना गुस्सा देश को क्यों आया। ये सब हमारे कहने से नहीं हुआ है। ये खुद के उनके कर्म हैं। जब लोगों ने उन्हें बहुत कुछ कहा हो तो मैं कुछ कहने की क्या जरूरत है।' प्रधानमंत्री ने कहा 'जाति के मामले पर कांग्रेस अपने गिरेबान में झांके। दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों की कांग्रेस जन्मजात विरोधी है, अगर बाबा साहेब आंबेडकर नहीं होते तो पता नहीं एससी, एसटी को आरक्षण भी मिलता या नहीं। मैं आदरपूर्वक नेहरू जी को ज्यादा याद करता हूं। एक बार नेहरू जी ने एक चिट्ठी लिखी और ये चिट्ठी मुख्यमंत्रियों को लिखी थी। उन्होंने लिखा था- 'मैं किसी भी आरक्षण को पसंद नहीं करता और खासकर नौकरी में आरक्षण तो कतई नहीं।

राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने किया नेहरू की चिट्ठी का जिक्र, बोले- वे आरक्षण के सख्त विरोधी थे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राज्यसभा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को जमकर घेरा। इस दौरान उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की उस दौरान राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखी चिट्ठी का भी जिक्र किया। चिट्ठी को पढ़ते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह देश के पहले पीएम द्वारा राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखी गई चिट्ठी थी। देश के पहले पीएम नेहरू ने कहा था कि मैं किसी भी तरह के आरक्षण को पसंद नहीं करता हूं। खासकर नौकरियों में आरक्षण को तो मैं कतई पसंद नहीं करता हूं। मैं ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ हूं। पीएम मोदी ने नेहरू की चिट्ठी का जिक्र करते हुए कहा कि नेहरू ने चिट्ठी में लिखा था कि आरक्षण, जो अकुशलता को बढ़ावा दे, जो दोयर दर्जे की तरफ ले जाए, मैं इसके खिलाफ हूं। पीएम मोदी ने संबोधन में कहा कि ये शब्द मेरे नहीं बल्कि देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू के हैं। अपने संबोधन में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इसलिए मैं कहता हूं कि कांग्रेस जन्मजात इसकी विरोधी है। आज जो कांग्रेस कहती है न कि ये इतने हैं, ये इतने हैं, लेकिन उस समय कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। मैं कहना चाहता हूं कि उस समय अगर यह आरक्षण की व्यवस्था लागू हो गई होती तो वे लोग आज आगे बढ़ते-बढ़ते ऊपर आ जाते।

यूपी बजट सत्र : यूपी में जीरो टॉलरेंस की नीति जीरो, इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं हुआ : अखिलेश

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का बजट सत्र जारी है। पांच फरवरी को बजट पेश करने के बाद राम मंदिर जाने को लेकर भाजपा और सपा में बयानबाजी जारी है। भाजपा ने सभी विधायकों को 11 फरवरी को अयोध्या दर्शन कराने का आमंत्रण दिया जिसे सपा नेताओं ने अस्वीकार कर दिया। अखिलेश यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए सरकार से सवाल किया कि सरकार महंगाई को कम करने के लिए क्या कर रही है? महंगाई बढ़ रही है। खाने-पीने के दामों में बढ़त हुई है। लोगों के पास रोजगार हैं नहीं। नौकरियां मिल नहीं रही हैं और सरकार वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का सपना दिखा रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अब लोग 112 पर कॉल करने से डरते हैं कि उनसे वसूली की जाएगी। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के सबसे तेज रिस्पांस सिस्टम को बर्बाद कर दिया गया। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। प्रदेश में लॉ अलग है ऑर्डर अलग है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है। सब कुछ प्राइवेट किया जा रहा है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेज मानक के अनुसार नहीं चल रहे हैं। वहां पर नियुक्तियां पूरी नहीं हुई हैं। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में इस समय जितना भ्रष्टाचार है उतना कभी नहीं रहा। थाने और तहसीलों में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। सरकार की भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति जीरो हो गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि एयरपोर्ट बनाने के लिए किसानों से जमीन ली जा रही है पर उसका सही मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। सरकार चित्रकूट में डिफेंस एक्सपो बनाने जा रही है लेकिन किसानों को पुराने रेट पर मुआवजा दे रहे हैं। सपा सरकार में चार गुना मुआवजा दिया गया था। उन्होंने सवाल किया कि आखिर किसानों पर खजाना खर्च करने में सरकार को क्या दिक्कत है? अयोध्या में एयरपोर्ट बनाने के लिए ली गई जमीन का मुआवजा नहीं दिया गया। लोगों ने सरयू में खड़े होकर जनेऊ की कसम खाई थी भाजपा को वोट नहीं देंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में 40 लाख करोड़ के एमओयू साइन करने की बात कही जाती है और कहा जाता है कि इससे एक करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। जो उद्योगपति यहां आते हैं वही दूसरे प्रदेशों में जाकर कहते हैं कि सबसे पहले दूसरे प्रदेशों में निवेश करेंगे। उन्होंने पूछा कि सरकार उद्योगपतियों को इंसेंटिव क्यों नहीं दे पा रही है। अभी कहा गया है कि तमिलनाडु मेक इन इंडिया में सबसे आगे है। यूपी मेक इन इंडिया में सबसे आगे क्यों नहीं है? सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अग्निवीर योजना लागू होने से सर्वाधिक नुकसान यूपी के नौजवानों का हुआ है। पहले फौज में 70 हजार युवाओं की भर्ती होती थी पर अब नहीं होती है। सेना में भर्ती नौजवानों को वेतन, पेंशन और मेडिकल सुविधाएं मिलती थीं पर अग्निवीर योजना में चार साल की नौकरी के बाद उन्हें निकाल दिया जाएगा। सेना की नौकरी में जाने से पीडीए समाज के लोगों में समृद्धि आती थी पर अब अग्निवीर योजना से वो सारी सुविधाएं खत्म हो जाएंगी।

नहीं लगता जयंत किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला कदम उठाएंगे : डिंपल

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले जयंत चौधरी एनडीए में शामिल हो होने की चर्चा हैं। विपक्षी गठबंधन को झटका लगना करीब-करीब तय माना जा रहा है। जयंत के एनडीए में शामिल होने के बीच समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए में शामिल होने की खबरों के बीच बड़ा दावा किया है। सपा सांसद डिंपल यादव का ने कहा कि जिस तरह से भाजपा किसानों के खिलाफ काम कर रही है और जिस तरह से हमारे पहलवानों का भाजपा ने अपमान किया है, मुझे नहीं लगता कि आरएलडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी कोई भी कदम उठाएंगे जिससे हमारे किसानों को सीधा नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह भाजपा सरकार किसानों के विरुद्ध काम कर रही है, बजट में किसी भी प्रकार की टस्स का जिक्र नहीं है, भाजपा के द्वारा हमारी पहलवान बहनों का अपमान हुआ है, मैं नहीं मानती की आरएलडी के नेता जयंत चौधरी इस तरह का कोई कदम उठाएंगे जिससे किसानों को नुकसान पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक रालोद ने भाजपा से कैराना, अमरोहा, बागपत, मथुरा व मुजफ्फरनगर सीट मांगी थी। भाजपा इनमें से कैराना, अमरोहा और बागपत सीट देने के लिए तैयार है। मथुरा व मुजफ्फरनगर सीट पर पेच फंसा है। एनडीए गठबंधन में मंत्री पद भी मिलने की संभावना है। भाजपा पश्चिमी यूपी में मुस्लिम बहुल सीटों के लिए रालोद को साधना चाहती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव रालोद से गठबंधन की घोषणा कर चुके हैं। सीटें चिह्नित करने और सपा की ओर से तीन सीटों पर रालोद के चुनाव निशान पर अपने उम्मीदवार खड़ा करने की शर्त पर पेच फंस गया। सपा चाहती है कि कैराना, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में प्रत्याशी सपा का हो, जो रालोद के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरे। सपा के समक्ष मुजफ्फरनगर सीट पर रालोद ने दावा ठोका था, जहां बीते चुनाव में दिवंगत अजीत सिंह महज छह हजार मतों से हार गए थे। रालोद नेताओं ने कैराना और बिजनौर सीट सपा के बताए प्रत्याशियों को देने पर सहमति भी दे दी थी। लेकिन मुजफ्फरनगर और हाथरस सीट को लेकर दोनों दलों के बीच दूरियां बन गई। इसी दौरान चर्चा शुरू हो गई कि रालोद अध्यक्ष की भाजपा से गठबंधन की बात हुई है। बातचीत की पुष्टि नहीं हुई, लेकिन सियासी गलियों में सबने अपने-अपने समीकरण लगाने शुरू कर दिए।

चमत्कार! कर्नाटक में 1000 साल पुरानी भगवान विष्णु की मूर्ति मिली, दिखती है रामलला जैसी

प्रखर डेस्क। तेलंगाना की सीमा के पास कर्नाटक में शिवलिंग और भगवान विष्णु की हजारों वर्ष पुरानी मूर्ति मिली है। बताया जा रहा है कि यह मूर्ति सैकडों साल पुरानी हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार कर्नाटक के रायचूर जिले के एक गांव में कृष्णा नदी से हाल में भगवान विष्णु की एक प्राचीन मूर्ति मिली है। जिसके चारों ओर सभी दशा अवतार उकेरे गए हैं। अधिकारियों के अनुसार यह मूर्ति के तथ्य को देखते हुए उल्लेखनीय है कि इस मूर्ति की विशेषताएं अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में हाल ही में प्रतिष्ठित हुई रामलला की मूर्ति से मिलती-जुलती है। विष्णु की मूर्ति खड़ी स्थिति में है, जिसके चारों ओर एक आभामंडल है। जो दसों अवतार को दशार्ता है। वही मूर्ति के साथ एक प्राचीन शिवलिंग में मिला है। रायचूर विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास और पुरातत्व के व्याख्याता डॉक्टर पद्जा देसाई ने विष्णु की मूर्ति के बारे में बताया कि यह मूर्ति किसी मंदिर के गर्भ गृह की शोभा रही होगी और संभावित रूप से मंदिर को नुकसान पहुंचाने के दौरान इसे नदी में फेंका गया होगा। ऐसा माना जा रहा है कि मूर्ति करीब 1000 वर्ष पुरानी हो सकती है। पुरातत्वविदों का मानना है कि यह मूर्ति ईसा पश्चात 11वीं या 12वीं शताब्दी की है। विष्णु की मूर्ति और शिवलिंग अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कब्जे में है।

एनसीपी पर चुनाव आयोग के फैसले से सियासी माहौल गर्म, कोई सहमत तो किसी ने शरद पवार को दी नसीहत

मुंबई। चुनाव आयोग द्वारा अजित पवार वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को ही असली एनसीपी करार देने पर सियासी बवाल मचा हुआ है। एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न 'घड़ी' अजित पवार को मिलने के फैसले को कोई सही तो कोई गलत बता रहा है। किसी ने शरद पवार को हाईकोर्ट जाने की नसीहत दी है तो किसी ने उनके डटकर लड़ने की बात कही है। एनसीपी विवाद पर अजित पवार के गुट के पक्ष में फैसला सुनाए जाने पर महाराष्ट्र भाजपा सांसद गोपाल शेट्टी ने कहा, 'अगर किसी को चुनाव आयोग फैसला गलत लगता है तो वो हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट जा सकता है। अगर शरद पवार को गलत लग रहा है तो वह अदालत जा सकते हैं।' भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड ने चुनाव आयोग के फैसले को सही बताया। उन्होंने कहा, 'मैं इस फैसले का स्वागत करता हूं। अगर उन्हें (शरद पवार) लगता है कि अन्याय हुआ है, तो वे अदालत जा सकते हैं।' शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'देश में ऐसा माहौल बनाया हुआ है, पैसा फेंक तमाशा देख। जो आम लोगों के पैसों की बबार्दी हो रही है। जो विधायक व सांसद बनकर आ रहे हैं, उनकी खरीद फरोख्त हो रही है। यह पूरा केंद्र की सहमति से हो रहा है। देश के सामने यह सब स्पष्ट होता जा रहा है। यह लड़ाई लंबी है। यह लड़ाई संविधान की है। शिवसेना संवैधानिक तौर पर लड़ रही है। मुझे यकीन है कि शरद पवार साहब, जो एक अनुभवी नेता हैं, डटकर लड़ेंगे।' गौरतलब है, छह महीने से अधिक समय तक चली 10 से ज्यादा सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने एनसीपी में विवाद का निपटारा किया और अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में फैसला सुनाया। अब एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न 'घड़ी' अजित पवार के पास रहेगा। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को कहा था कि मेरे नेतृत्व वाली एनसीपी को राज्य के अधिकांश विधायकों के साथ-साथ जिला अध्यक्षों का भी समर्थन प्राप्त है।

निर्दल पार्षद सौरभ, सपा के विश्वजीत त्रिपाठी समेत 12 अन्य पार्षदों ने थामा भाजपा का दामन

गोरखपुर। गोरखपुर नगर निगम के 12 पार्षदों ने भाजपा का दामन थाम लिया है। लखनऊ स्थिति भाजपा प्रदेश कार्यालय पर दोनों डिप्टी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में इन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में समाजवादी पार्टी के विश्वजीत त्रिपाठी सोनू, निर्दल पार्षद असद गुफरान, अरविंद, रीता, सतीश चंद, सरिता यादव, मीना देवी, छोटेलाल, दिनेश उर्फ शालू, जयंत कुमार, बबलू गुप्ता उर्फ छट्टी लाल, भोला निषाद, माया देवी, समीना (बसपा) सौरभ विश्वकर्मा शामिल रहे। इसमें विश्वजीत त्रिपाठी सपा से कार्यकारिणी सदस्य भी हैं। अब कार्यकारिणी में भाजपा के दस पार्षद हो जायेंगे। ऐसे में अब भाजपा के 56 पार्षद नगर निगम में हो गए। विश्वजीत त्रिपाठी ने फोन पर ही अपनी और अन्य सदस्यता की पुष्टि की। कहा, डबल इंजन की सरकार में ही देश और प्रदेश का असली विकास संभव है।

राहुल ने राउरकेला में मंदिर के दर्शन किए बोले- ओडिशा में भाजपा-बीजद का गठजोड़

राउरकेला। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बुधवार को ओडिशा के राउरकेला स्थित सुंदरगढ़ से शुरू होगी। इससे पहले सुबह-सुबह ही राहुल गांधी यहां के वेदव्यास मंदिर पहुंच गए। राहुल ने यहां पूजा-अर्चना की और अनुष्ठान को लेकर जानकारी हासिल की। राहुल ने यहां ओडिशा के इस्पात शहर के रूप में प्रसिद्ध राउरकेला में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर शुरू की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और बीजू जनता दल (बीजद) के बीच गठजोड़ है और कांग्रेस राज्य के लोगों के हितों की रक्षा के लिए बीजद-भाजपा गठजोड़ का विरोध करती रही है। उन्होंने कहा, आप जानते ही हैं कि ओडिशा में नवीन पटनायक और नरेन्द्र मोदी की साझा सरकार है। दोनों ने हाथ मिलाया है और मिलकर काम करते हैं। मुझे संसद में पता चला कि बीजद, भाजपा का समर्थन करती है। बीजद के लोग भी भाजपा के इशारे पर हमें परेशान करते हैं। राहुल ने रैली के दौरान कहा, मैं नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने के लिए ओडिशा आया हूं। कांग्रेस नेता ने ओडिशा में बीजद सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के 30 लाख लोग आजीविका की तलाश में दूसरे राज्यों में विस्थापित हो गए हैं क्योंकि राज्य सरकार उनके लिए काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, 30 लाख लोगों के अपनी आजीविका के लिए दूसरे राज्यों में विस्थापित होने के साथ ही ओडिशा से बाहर के 30 करोड़पति राज्य की संपदा को लूटने के लिए यहां आए हैं। राहुल ने कहा कि ओडिशा में आदिवासियों की बड़ी आबादी है लेकिन सरकार राज्यों में दलितों के साथ ही उनकी भी उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा, मैं यहां छह-सात घंटे आपके मन की बात सुनने आया हूं और केवल 15 मिनट अपनी बात रखूंगा उन्होंने कहा कि ओडिशा में सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है क्योंकि उद्योग सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं।

सरकार की दो टूक, एनपीएस के तहत पेंशन संबंधी लाभों में होगा सुधार, आम नागरिकों के हितों को रखेंगे ध्यान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन को लेकर अपनी मंशा साफ कर दी है। पुरानी पेंशन बहाली के लिए कोई काम नहीं हो रहा। नई पेंशन योजना के अंतर्गत सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन के मुद्दे की जांच करने के मकसद से एक समिति का गठन किया गया है। वह समिति, वित्तीय निहितार्थों और समग्र बजटीय गुंजाइश पर इसके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, ऐसे उपाय सुझावित करेगा, जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत शामिल सरकारी कर्मचारियों के पेंशन संबंधी लाभों में सुधार लाने के लिए उपयुक्त होंगे। खास बात है कि एनपीएस में जिन बदलावों की सिफारिश होगी, उसमें सामान्य नागरिकों के संरक्षण के हितों को ध्यान में रखा जाएगा। संसद के मौजूदा सत्र में सांसद डिंपल यादव और संगीता कुमारी सिंह देव ने नई पेंशन योजना को लेकर सवाल पूछा था। दोनों सांसदों ने पूछा, क्या सरकार ने नई पेंशन योजना के अंतर्गत सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन के मुद्दे की जांच करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है। क्या समिति अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है। क्या सरकार की एनपीएस के अंतर्गत पेंशन के रूप में आहरित अंतिम वेतन का न्यूनतम पचास फीसदी प्रदान करने की कोई योजना है। यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जा रहे हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने उक्त सवालों के जवाब में सदन को बताया, नई पेंशन योजना के अंतर्गत सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन के मुद्दे की जांच करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। बाकी सवालों के जवाब में चौधरी ने बताया, वित्त मंत्री द्वारा लोकसभा में 24 मार्च 2023 को की गई घोषणा के अनुसरण में केंद्र सरकार ने एक समिति का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता वित्त सचिव कर रहे हैं। वित्त सचिव एवं सचिव (व्यय), कमेटी के अध्यक्ष बनाए गए हैं।

संपादकीय

दिमाग में चिप

प्रथम दृष्टया यह खबर चौंकाती है कि इंसान के दिमाग में कृत्रिम चिप का प्रत्यारोपण सफलता पूर्वक किया गया है। विज्ञान के जरिये मानव कल्याण के क्षेत्र में किये गये हर शोध-अनुसंधान का स्वागत ही किया जाना चाहिए। लेकिन संवेदनशील मस्तिष्क में चिप लगाने के क्रम में इंसान के रोबट बन जाने की आशंकाएं भी निर्मूल नहीं हैं। ध्यान रहे कि यह प्रत्यारोपण किसी सरकारी चिकित्सा शोध संस्थान या विश्वविद्यालय में नहीं हुआ है। यह प्रत्यारोपण दुनिया के सबसे अमीर शख्सों में शुमार एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने किया है। वही मस्क जिन्होंने ट्विटर खरीदने और उसे एक्स में तब्दील करने के क्रम में कर्मचारियों की निर्ममता से छंटनी की थी। वही मस्क जो विश्व के अरबपतियों को अंतरिक्ष में सैर-सपाटा कराने के अलावा दुनिया के तमाम बड़े मुनाफे के कारोबार में लगे हुए हैं। जाहिर है मस्तिष्क में चिप लगाने का प्रयोग उनके बाजार के गणित का ही हिस्सा है। बहरहाल, अभी चिप लगाने की शुरूआत हुई है। आम लोगों तक इसका लाभ पहुंचने में दशकों लग सकते हैं। वहीं इसके प्रत्यारोपण की प्रक्रिया इतनी खचीर्ली होगी कि शायद ही आम आदमी के हिस्से में कभी इसका लाभ आ सके। बहरहाल, हर नये अनुसंधान व शोध का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन यह सवाल मानवीय बिरादरी के लिये हमेशा मंथन का विषय रहेगा कि विज्ञान की खोज मानवता की संहारक न बने। जैसे अल्फ्रेड नोबेल को अपने डायनामाइट के आविष्कार के संहारक होने का अपराध बोध हुआ। उन्होंने इसके चलते विश्व शांति व मानवता को समृद्ध करने वाले विभिन्न विषयों की प्रतिष्ठा के लिये अपनी कमाई से कालांतर नोबेल प्राइज की शुरूआत की थी। बहरहाल, शुरूआती संकेत बताते हैं कि इंसानी दिमाग में चिप लगाने का प्रयास सफल रहा है। इस प्रयोग से इंसानी जीवन में विज्ञान व तकनीक की भूमिका के नये अध्याय की शुरूआत मानी जा सकती है। यह मानव कल्याण के लिये वरदान भी साबित हो सकती है बशर्ते यह निर्मम बाजार का हथियार न बने। वैसे ऐसा भी नहीं है कि न्यूरालिंक इस तकनीक का प्रयोग सफलतापूर्वक करने वाली पहली कंपनी है। इससे पहले इस कंपनी की प्रतिस्पर्धी कंपनी ब्लैकरॉक न्यूरोटेक भी इंसान के दिमाग में चिप प्रत्यारोपण का सफल प्रयोग कर चुकी है। कहा जा रहा है कि इसका लाभ उन लोगों को होगा जो जन्मजात या किसी दुर्घटना तथा बीमारी के चलते अपने कुछ अंगों से वंचित हैं। चिप लगाने के बाद इन लोगों के महज सोचने भर से फोन, कंप्यूटर आदि निदेर्शों का पालन करने लगेंगे। किसी बीमारी के चलते किसी व्यक्ति के निष्क्रिय अंग सक्रिय हो सकेंगे। विशेष रूप से मानसिक रोगों, मसलन पार्किंसन व भूलने की बीमारी अल्जाइमर में यह चिप कारगर हो सकती है। इतना ही नहीं अवसाद व विभिन्न लतों से मुक्ति दिलाने में भी इसे सहायक बताया जा रहा है। लेकिन आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये यदि इंसान के दिमाग पर ऐसी चिप के जरिये नियंत्रण के नकारात्मक प्रयास होने लगें तो निस्संदेह, स्थिति खासी विकट हो सकती है। निश्चित रूप से किसी व्यक्ति के दिमाग का मामला बेहद संवेदनशील होता है। यही वजह है कि कुदरत की बनायी जटिल दिमागी प्रक्रिया से छेड़छाड़ या कहें सर्जरी से आधुनिक चिकित्सा भी परहेज करती है। यहां यह भी सवाल कायम रहेगा कि चिप कितने समय तक काम करती रहेगी। यानी कितने समय तक यह चिप इंसान के कुदरती दिमाग से साम्य बना सकेगी। अभी यह प्रयोग शुरूआती दौर में है और कहना मुश्किल है कि इससे वास्तविक लाभ कितना होता है। वैसे तार्किक बात यह है कि भारत जैसे विकासशील देशों में आम आदमी की पहुंच में यह सुविधा शायद मुश्किल से ही आए। यहां महत्वपूर्ण यह है कि हमें अपनी जीवनशैली और खानपान में इतनी सावधानी रखनी चाहिए कि इस तरह के रोगों से बचा जा सके। भारत द्वारा दुनिया को दिये गए योग के वरदान से तमाम मनोविकारों का समाधान संभव है। अमेरिका के नोबेल पुरस्कार विजेता मनोवैज्ञानिक भी मानते रहे हैं कि प्राणायाम के जरिये अनेक मानसिक रोगों का उपचार संभव है। हम अपनी सेहत का संवर्धन करें ताकि चिप लगाने की नौबत न आए।

हो जाओ अब पेश!

बोल दिया है कोर्ट ने ।
हो जाओ अब पेश ।।
जा रही है इज्जत ।
क्या रहा कुछ शेष ।।
बार बार भागना ।
ठीक नहीं सरकार ।।
खोज रहे हैं माननीय ।
है कुछ तो आधार ।।
लुकाछिपी कब तक ?
सब हैं रहे निहार ।।
भावनाओं का भी ।
उठ रहा है ज्वार ।।
पड़ रहा है भारी ।
इतना इंतजार ।।
दया दृष्टि पनपाएं ।
हो तनिक उपकार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम समाज को गलती सुधारने की पहल करनी चाहिए

डॉ. आशीष वशिष्ट

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा वाराणसी के प्रसिद्ध विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद में हुए सर्वेक्षण से उस दावे की पुष्टि हो गई है कि वह हिन्दू मंदिर पर ही बनाई गई थी। इस सर्वेक्षण को रोकने के लिए मुस्लिम पक्ष द्वारा न्यायालय में चरम सीमा तक जाकर तर्क दिए गए। वही बीती 31 जनवरी को वाराणसी की एक न्यायालय ने हिंदू पक्ष को ज्ञानवापी मस्जिद के व्यास जी तलगृह में पूजा का अधिकार दे दिया है। पूर्ण विधि विधान पूजा अर्चना शुरू हो गई है।

हिंदू पक्ष कुछ समय से ज्ञानवापी परिसर में स्थित एक तलगृह में पूजा का अधिकार मांग रहा था। यह तलगृह मस्जिद परिसर में है। वर्ष 1992 तक व्यास जी तलगृह में पूजा नियमित तौर पर होती थी। 6 दिसंबर 1992 को हुए बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद 1993 से व्यासजी के तलगृह बंद कर दिया गया और बैरिकेडिंग कर दी गई। उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार थी और मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। अयोध्या राम जन्मभूमि मामले को लेकर मुलायम सिंह यादव ने बैरिकेडिंग लगा दी कि यहां सांप्रदायिक माहौल ना बिगड़े और लड़ाई-झगड़े ना हों। पहले बांस-बल्ली लगाकर टेंपेरेरी तौर पर बैरिकेडिंग की गई और बाद में पक्की तरह से बंद कर दिया गया। इसके बाद यहां पर वार्षिक तौर पर माता श्रृंगार गौरी की पूजा हो रही थी। ज्ञानवापी में किए गए सर्वेक्षण की जो रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत हुई, उसके आधार पर कोई भी कह सकता है कि वह मंदिर ही है। मुस्लिम पक्ष को इसका ज्ञान काफी पहले से था। इसीलिए उन वस्तुओं को छिपा दिया गया था और ढक दिया गया था जो हिन्दू धर्म के प्रतीक और चिन्ह हैं। सबसे बड़ी बात शिवलिंग का मिलना है। पौराणिक ग्रंथों से पता चलता है कि ज्ञानवापी कुएं का निर्माण स्वयं भगवान शिव ने अपने त्रिशूल से किया था। पौराणिक काल से ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का इलाका अविमुक्त क्षेत्र के नाम से प्रसिद्ध रहा है। महाभारत में भी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के पूरे क्षेत्र को अविमुक्त क्षेत्र के नाम से पुकारा गया है। वर्तमान में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद भी अविमुक्त क्षेत्र का ही भाग रहा है। इस क्षेत्र में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को मुक्त कराने के लिए सैकड़ों वर्षों से विश्व भर के हिंदू संघर्ष कर रहे हैं।

होना तो यह चाहिए था कि स्वतंत्रता के बाद केंद्र सरकार मुगल काल में हिन्दू धर्मस्थलों को तोड़कर या उन्हीं ढांचों पर खड़ी की गई मस्जिदों को हिंदुओं को सौंपने की नीति बनाती। लेकिन कांग्रेस सहित अन्य पार्टियां मुसलमानों की नाराजगी से बचने के लिए हिंदुओं के वैध दावों को ठुकराती रहीं। मथुरा और वाराणसी में हिंदुओं के सर्वोच्च आराध्यों के पवित्र मंदिर के बगल में बनी मस्जिद के हिन्दू मंदिर होने की बात पंडित नेहरू से लेकर तमाम नेताओं को ज्ञात थी। लेकिन उन्होंने इस दिशा में सोचने का कष्ट इसलिए नहीं उठाया क्योंकि वे हिंदुओं की सहनशक्ति को जानते थे। वरना क्या कारण था कि हिंदुओं की विवाह व्यवस्था संबंधी रीति-रिवाजों को तो उलट-पलट दिया गया किंतु मुस्लिम पर्सनल लॉ को छेड़ने की हिम्मत नहीं हुई। देश का बंटवारा धर्म के नाम पर हमारे नेताओं ने स्वीकार किया था। सर्व धर्म समभाव के भारतीय संस्कारों के कारण भले ही मुस्लिमों की बड़ी आबादी भारत में रह गई और पाकिस्तान के उलट भारत ने अपने को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाया किंतु ये भी उतना ही सही है कि तत्कालीन शासकों ने मुस्लिम तुष्टीकरण के फेर में बहुसंख्यकों की धार्मिक भावनाओं को धक्का पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यदि सरदार पटेल न होते तब बड़ी बात नहीं सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार भी न हो पाता। अयोध्या का विवाद तो स्वाधीनता के पहले से चला आ रहा था। वास्तव में, देश में एक ऐसी जमात है जो भय और लोभ से भरी हुई है। उसमें कायरता की कीचड़ है। वह ऐतिहासिक यर्थाथ और सांस्कृतिक सत्य का सामना करने से कतराती है। समस्या का समाधान सौदेबाजी में तलाशती है और समस्या को टालते जाने को अपनी कुशलता और चतुराई मानती है। इस जमात के भगीरथ हैं राजनेता। ऐसा राजनेता जिनकी सोच और दृष्टि का क्षितिज केवल एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक का है। भावी पीढ़ियों, दशाब्दियों और शताब्दियों की बात सोचने का सामर्थ्य उनमें नहीं है। वे हम मर गए तो किसने दुनिया देखी की मानसिकता से पीड़ित हैं। सत्ता लोभ और चुनाव में पराजय के भय से पीड़ित इन लोगों का राष्ट्रीय अस्मिता की अवमानना करने और उसे नकारने में लाज ही नहीं आती। लोभ, भय ओर मौन हो जाने का परिणाम भारत का राष्ट्रीय समाज 75 वर्ष पूर्व भुगत चुका है। राजनीतिक नेतृत्व के लोग और भय एवं राष्ट्रीय समाज के मौन में से तुष्टिकरण और खुशामद कर जन्म हुआ था। यह इतिहास सिद्ध अनुभव है कि हिन्दुओं का मौन राष्ट्र के विभाजन को जन्म देता है। अल्पसंख्यकों की मुखरता और उनका तुष्टिकरण राष्ट्र के भूगोल को बिगाड़ता और इतिहास का मान भंग करता है। 1991 में केंद्र की नरसिम्हा राव सरकार ने जो कानून बनाया उसके अनुसार 15 अगस्त 1947 को किसी भी धर्मस्थल की जो स्थिति थी उसे परिवर्तित नहीं किया जाएगा। लेकिन अयोध्या विवाद में सर्वोच्च न्यायालय ने अपना निर्णय इस आधार पर दिया कि बाबरी ढांचा हिंदुओं के मंदिर को मस्जिद का रूप देकर खड़ा किया गया था। ठीक वही बात ज्ञानवापी के बारे में भी सामने आ रही है। अयोध्या विवाद को सुलझाकर सर्वोच्च न्यायालय ने जो रास्ता खोल दिया वह उन सभी धर्मस्थलों को मुक्त करवाने में सहायक होगा जिनको मुस्लिम शासकों ने बलपूर्वक मस्जिद का रूप दे दिया।

मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि के बारे में भी ऐसा ही दावा है। ये सब देखते हुए मुस्लिम धर्मगुरुओं को अपने समुदाय के लोगों को समझाना चाहिए कि वे हठधर्मिता के बजाय समझदारी और व्यवहारिकता से काम लें। इसमें दो राय नहीं है कि मुगलों द्वारा पूरे देश में हिंदुओं के धर्मस्थलों को नष्ट करने का काम बड़े पैमाने पर हुआ। प्राचीन धर्म स्थलों के बारे में जो तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं वे चौंकाने वाले हैं। ज्ञानवापी में हिंदू पक्ष को पूजा का अधिकार प्रदान करने के न्यायालय के निर्णय के बाद मुस्लिम पक्ष ने इस पर नाराजगी जताई है। मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि फैसले के बाद हाईकोर्ट में इस आदेश के खिलाफ अपील की जाएगी। मुस्लिम पक्ष ने इस फैसले को नकार दिया है। इससे पहले मुस्लिम पक्ष ने एएसआई के सर्वे को भी नकार दिया था। ज्ञानवापी परिसर में स्थित माता श्रृंगार गौरी भी पूजा का अधिकार मांगा जा रहा है। देखा जाए तो, मुस्लिम पक्ष द्वारा इस बारे में वही गलती दोहराई जा रही है जो अयोध्या विवाद में देखने मिली। इसलिए इस विवाद को निपटाने के लिए अदालत ही एकमात्र विकल्प बचता है, जहां ठोस प्रमाणों के आधार पर निर्णय होते हैं। अयोध्या में हिन्दू मंदिर होने की बात भी वहां की गए उत्खनन से ही तय हुई।

यूसीसी पर उत्तराखंड ने जो सार्थक पहल की है उससे दूसरे राज्यों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए

ललित गर्ग

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने समान आचार संहिता (यूसीसी) के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी और इसे विधानसभा में पेश भी कर दिया। अब चार दिनों के विशेष सत्र में इसे आसानी से पारित भी कर दिया जायेगा। इस तरह देश को आजादी मिलने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन जाएगा। इससे पहले गोवा में यह लागू है। आजादी के अमृतकाल में समानता की स्थापना के लिये इससे अपूर्व वातावरण निर्मित होगा। यह उत्तराखण्ड ही नहीं, समूचे भारत की बड़ी जरूरत है। समानता एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकतांत्रिक मूल्य है। इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये समान कानून की अपेक्षा है। यूसीसी देश की राजनीति के सबसे विवादित मुद्दों में रहा है। हालांकि संविधान में भी नीति निर्देशक तत्वों के रूप में इसका उल्लेख है। इस लिहाज से राजनीति की सभी धाराएं इस बात पर एकमत रही हैं कि देश में सभी पंथों, आस्थाओं से जुड़े लोगों पर एक ही तरह के कानून लागू होने चाहिए। राष्ट्र का कोई भी व्यक्ति, वर्ग, सम्प्रदाय, जाति जब-तक कानूनी प्रावधानों के भेदभाव को झेलेगा, तब तक राष्ट्रीय एकता, एक राष्ट्र की चेतना जागरण का स्वप्न पूरा नहीं हो सकता। उत्तराखण्ड एवं गोवा के बाद असम और गुजरात जैसे राज्य भी समान आचार संहिता को लागू करने की तैयारी में हैं। भारतीय जनता पार्टी एवं नरेन्द्र मोदी सरकार यूसीसी लागू करने की मांग जोरदार तरीके से करती आ रही है और इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया है। भारतीय न्यायपालिका की तरफ से भी बार-बार इसे लागू करने की जरूरत बताई जा रही है। ऐसे में यह माना जा सकता है कि देश में इसे लेकर जागरूकता हाल के दिनों में बढ़ी है और इसका श्रेय भाजपा को दिया जाना चाहिए।

समान नागरिक संहिता दरअसल एक देश एक कानून की अवधारणा पर आधारित है। यूनिफॉर्म सिविल कोड के अंतर्गत देश के सभी धर्मों, पंथों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून की व्यवस्था का प्रस्ताव है। भारत के विधि आयोग ने राजनीतिक रूप से अतिसंवेदनशील इस मुद्दे पर देश के तमाम धार्मिक संगठनों से सुझाव आमंत्रित किए थे। यूसीसी में संपत्ति के अधिग्रहण और संचालन, विवाह, उत्तराधिकार, तलाक और गोद लेना आदि को लेकर सभी के लिए एकसमान कानून बनाया जाना है। पिछले कुछ समय से इस पर अच्छी खासी बहस चली है। लिहाजा एक-एक करके अलग-अलग राज्यों में इसे लागू करने और वहां के अनुभव के आधार पर आगे बढ़ने का ख्याल गलत नहीं कहा जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि उत्तराखण्ड विधानसभा में इसे पेश किए जाने और वहां बहस शुरू होने के बाद इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर रोशनी पड़ेगी और सभी दुविधाएं, शंकाएं एवं संदेह दूर हो जाएंगे। जो अन्य राज्यों के लिये लागू करने का आधार बनेगी।

भारतीय संविधान के मुताबिक भारत एक धर्म-निरपेक्ष देश है, जिसमें सभी धर्मों व संप्रदायों (जैसे- हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, आदि) को मानने वालों को अपने-अपने धर्म से सम्बन्धित कानून बनाने का अधिकार है। भारत में दो प्रकार के पर्सनल लॉ हैं। पहला है हिंदू मैरिज एक्ट 1956 जो कि हिंदू, सिख, जैन व अन्य संप्रदायों पर लागू होता है। दूसरा, मुस्लिम धर्म को मानने वालों के लिए लागू होने वाला मुस्लिम पर्सनल लॉ। ऐसे में जबकि मुस्लिमों को छोड़कर अन्य सभी धर्मों व संप्रदायों के लिए भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत बनाया गया हिंदू मैरिज एक्ट 1956 लागू है तो मुस्लिम धर्म के लिए भी समान कानून लागू होने की बात की जा रही है, जो प्रासंगिक होने के साथ नये भारत की अपेक्षा है। अभी मीडिया में छन-छन कर जो सूचनाएं आ रही हैं, उनके मुताबिक शादी, तलाक, अडॉप्शन से जुड़े कानूनों में एकरूपता के जो प्रावधान हैं, वे यूसीसी की मूल अवधारणा के अनुरूप ही हैं। बहरहाल, उत्तराखण्ड राज्य सरकार की यह एक बड़ी पहल है और इस पर अमल की प्रक्रिया ही नहीं, इसके नतीजों पर भी पूरे देश की नजरें रहेंगी।

आज जबकि भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, जी-20 देशों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर चुका है, भारत की अहिंसा एवं योग को दुनिया ने स्वीकारा है, विश्व योग दिवस एवं विश्व अहिंसा दिवस जैसे आयोजनों की संरचना हुई है। इन सब सकारात्मक स्थितियों को देखते हुए भारत की कानून विषयक विसंगतियों को दूर करना अपेक्षित है। क्योंकि विश्व के कई देशों में समान नागरिक संहिता का पालन होता है। इन देशों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया, सूडान, मिस्र, अमेरिका, आयरलैंड, आदि शामिल हैं। इन सभी देशों में सभी धर्मों के लिए एकसमान कानून है और किसी धर्म या समुदाय विशेष के लिए अलग कानून नहीं हैं। लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता एवं वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन को तार-तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं-कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं। सामुदायिक घटनाओं को भी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है।

देश का मुस्लिम भी समाज का एक हिस्सा है, जिसे इसी रूप में प्रस्तुत करने की परिपाटी चलन में आ जाए तो भेद करने वाले विचारों पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को ऐसे भ्रम में रखने के लिए प्रेरित किया कि वह भी ऐसा ही चिंतन करने लगा, जबकि सच्चाई यह है कि आज के मुसलमान बाहर से नहीं आए, वे भारत के ही हैं। परिस्थितियों के चलते उनके पूर्वज मुसलमान बन गए। वे सभी स्वभाव से आज भी भारतीय हैं और विचार से सनातनी हैं, लेकिन देश के राजनैतिक दल अपने राजनीतिक लाभ एवं वोट बैंक के चलते मुसलमानों के इस सनातनी भाव को प्रकट करने का अवसर नहीं दे रहे। मुस्लिम पर्सनल लॉ में अनेक विसंगतियां हैं, जैसे शादीशुदा मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी को महज तीन बार तलाक कहकर तलाक दे सकता था। इसके दुरुपयोग के चलते सरकार ने इसके खिलाफ कानून बनाकर जुलाई 2019 में इसे खत्म कर दिया है। तीन तलाक बिल पास होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सदियों से तीन तलाक की कुप्रथा से पीड़ित मुस्लिम महिलाओं को न्याय मिला है। वर्तमान में हम देख रहे हैं कि कुछ लोग समान नागरिक कानून का विरोध कर रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज की महिलाएं इस कानून के समर्थन करने के लिए आगे आ रही हैं। 1985 में शाहबानो केस के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड का मामला सुर्खियों में आया था। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के बाद शाहबानो के पूर्व पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि पर्सनल लॉ में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होना चाहिए। तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद में बिल पास कराया था। इस कानून के समर्थकों का मानना है कि अलग-अलग धर्मों के अलग कानून से न्यायपालिका पर बोझ पड़ता है। समान नागरिक संहिता लागू होने से इस परेशानी से निजात मिलेगी और अदालतों में वर्षों से लंबित पड़े मामलों के फैसले जल्द होंगे।

'अतीत में तब कैसे हुये थे कुलपति? योगदान एंव जीवन वृतांत'

भारत देश ज्ञान एंव त्याग की भूमि रही है, जिसमें तपे- तपाये ऋषि- मुनियों ने अपने तपोबल से योग एंव ज्ञान परंपरा के उच्च मापदंडों की नीवं रखी थी। पुरातन भारत में ज्ञान तथा जागृति के मुख्य केंद्र गुरुकुल होते थे,जहां पर शिष्य ब्रह्मचारी जीवन जीते हुए योग विद्या, अध्यात्मविद्या, संस्कृत भाषा, का ज्ञानार्जन करते थे। इसी लिए गुरुकुल आश्रमों के प्रधान ऋषि - मुनि कुलपति कहलाते थे। कालिदास जी ने ऋषि वशिष्ठ तथा कण्व ऋषि को कुलपति की संज्ञा दी है। विश्व के लिए शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण तथा गौरवशाली परंपरा का पर्याय रहे नालंदा, विक्रमशिला, तक्षशिला विश्वविद्यालय के कुलपतियों, शिक्षाविदों का विवरण चीनी यात्री हेनसांग अपनी यात्रा वृतांत में लिखते है। भारत देश के आचार्यों तथा कुलपतियों के इतिहास का अवलोकन किया जाता है तब यह ज्ञात होता कि भले ही आजादी के बाद भारत में अनपढ़ लोगों की तादाद बहुत ज्यादा थी। भुखमरी चरम सीमा पर थी। देश अत्यंत गरीबी की हालत से जूझ रहा था। तब कैसे कुलपति हुए ? यह एक विचारणीय तथा ऐतिहासिक तथ्य है। जिसकी जानकारी आज की युवा पीढ़ी के लिए अत्यन्य ही प्रेरणादायी होगा। क्योंकि देश सहित दुनिया के अन्य देशों में भी शिक्षाविदों, आचार्यो तथा कुलपतियों के चयन मापदंड, उनके पद का राजनीतिकरण, प्रदत्त शक्तियों का नियुक्तियों में अनियमित तरीके से प्रयोग की खबरें आजकल आम - तौर पर विभिन्न शिक्षण संस्थानों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। परंतु कुछ अपवाद भी जरूर हैं? देश में कुलपतियों के श्रृंखला को दृष्टिगत किया जाये तो सर आशुतोष मुखर्जी, सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन, सीआर रेड्डी, डॉ. गंगानाथ झा, डॉ. अमरनाथ झा, लक्ष्मणस्वामी मुदालियार, आचार्य नरेंद्रदेव जी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, डॉ. हरिसिंह गौर, सर सुंदरलाल, महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जैसे उच्च सामाजिक, शैक्षणिक तथा राजनैतिक गुणों से परिपूर्ण व्यक्ति ही कुलपति होते थे जिनके लिए उच्च शिक्षा, शैक्षणिक अनुसंधान तथा संस्थान की गुणवत्तापूर्ण संचालन तथा छात्रों से संवाद एंव उनके हितों का त्वरित निस्तारण ही एकमात्र उद्देश्य था।

डॉ. हरि सिंह गौर जी के विषय में एक अत्यंत गौरवपूर्ण उल्लेख मिलता है कि उन्होंने अपने खुद के पैसें से सागर विश्वविद्यालय की स्थापना किया था। संस्थापक कुलपति भी रहे। एक बार अंतर-विश्वविद्यालय हाँकी प्रतियोगिता में सागर विश्वविद्यालय ने लिए नही है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक पंडित मदन मोहन मालवीय जी के है उनके घर में दो किचन थे। एक जिसमें उनका खाना बनता था। दूसरे में घर के अन्य लोगों का। एक दिन घर के किचन में नाश्ता तैयार नही था। मालवीय जी के पोते को परीक्षा देने जाना था। महाराज पूछने आया, आपके किचन में नाश्ता तैयार है, बच्चे को करा दू? मालवीय जी दोपहर तक भूखे रहे। पोता परीक्षा देकर लौटा, साथ खाने बैठे। अलग- अलग किचन से दोनों लोगों का खाना आया। पोते ने कहा- आप क्यों भूखे रहे? सुबह दोनों आपके किचन से नाश्ता कर सकते थे। मालवीय जी का जवाब था मेरी किचन में दान की चीजें आती है। मैं थोड़ा- बहुत देश सेवा भी करता हूँ। तुम लोग नही। इसलिए समाज सें दान में मिला अन्न, खानें का अधिकारी मैं हूं। तुम परिवार के सदस्य नही। इस तरीके की ईमानदारी, वफादारी, तथा संघर्षपूर्ण जीवनी से उन्होंने ज्ञान की तपशिला की नीवं डाली। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी सन् 1939-1948 तक कुलपति के कार्यभार को सफलतापूर्वक संपन्न किये। उनके विषय में एक तथ्य यह आता है कि सन- 1945 मे पी. रामालिंगम कैंपस खुलने के तीन दिन पहले ही विश्वविद्यालय पहुँच गये थे सभी छात्रावास पूर्ण तरीके से बंद पड़े थे। एक व्यक्ति की मदद से वह कुलपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी से मिले। उन्होंने तुरंत छात्रावास अधीक्षक को बुलाकर बंद पड़े छात्रावास को खोलने एंव सभी व्यवस्था करने की सुनिश्चितता का आदेश दिया। देश में समाजवादी संत,आचार्य नरेंद्रदेव जी कहते थे कि विश्वविद्यालय का कार्य केवल परंपरागत तथा तर्कसंगत ज्ञान का विधार्थियो के अंदर संचार करना ही नही है।

अपितु उनके अंदर अंतर्निहित ऊर्जा को जगाना और राष्ट्रहीत में उनका उपयोग करना भी है। आचार्य जी पेशे से वकील थे, तथा मूलरूप से फैजाबाद जिले से संबंध रखते थे। सामाजिक आंदोलन की मुख्य धारा से होते हुए, सामाजिक, शैक्षणिक तथा राजनैतिक गतिविधियों की अनोखी परख आचार्य जी के पास थी। आचार्य जी सन् 1939 में राष्ट्रीय आंदोलन का बड़ा केंद्र बिंदु काशी विद्यापीठ वाराणसी के अध्यक्ष और बाद में कुलपति भी बने। आचार्य जी आगे चलकर सन- 1952 मे लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुए। जिस समय आचार्य जी ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार ग्रहण किया था। उस समय उसकी हालत अत्यंत गंभीर थी। आचार्य जी की संवाद शैली, छात्रों से उनकी घनिष्ठ संबंध तथा छात्रो के लिए अपना सब कुछ समर्पित करने वाले नरेंद्रदेव जी के विषय में एक अद्भुत प्रसंग आता है। एक बार लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रवास में रहने की विकट समस्या उत्पन्न हो गयी। आचार्य जी अविलंब किये बगैर अपने कुलपति आवास को खाली करके उसे छात्रों को रहने के लिए देकर स्वंय किराये के मकान में रहने लगे। नरेंद्रदेव जी अपने नैतिक मूल्यों तथा मापदंडों के प्रति इतने सजग प्रहरी की भाँति जीवनयापन करते थे कि वह केवल 150 रुपये प्रतिमाह वेतन लेते थे।आचार्य जी बौद्ध दर्शन, सहित विज्ञान के विषयों को छोड़कर बाकी सभी विषयों पर अपनी गहरी पकड़ रखते थे। अपने कुलपति काल में जब कभी भी उन्हें खाली क्लास दिखता था, तुरंत क्लास मे जाकर पढ़ाने लगते थे। अभी उनका कार्यकाल पूरा नही हुआ था कि उन्हें काशी हिंदू विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त कर दिया गया। आचार्य जी जब लखनऊ विश्वविद्यालय से विदा हो रहे थे तब सैकड़ो- हजारों छात्र उनके गाड़ी के नीचे लेट गये थे। बहुत छात्र उनके गाड़ी के पीछे- पीछे भागते हुये वाराणसी तक आये। वाराणसी पहुँचने पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों ने भव्य स्वागत किया और विश्वविद्यालय में दीपोत्सव मनाया। इस से यह प्रामणिक तथा स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है कि पुरातन काल खंड के कुलपति तथा आचार्य छात्रों से संवाद तथा छात्र हितों के प्रति कितने गंभीर थे।। परंतु वर्तमान समय में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में छात्रों तथा विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच झड़प की घटनायें उजागर हो रही है। अगर वर्तमान घटनाओं का यहाँ पर जिक्र किया जाये तो गोरखपुर विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराज, काशी हिंदू विश्वविद्यालय सहित देश के सभी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय प्रमुख रहे है। जिसमें प्रमुख रूप से छात्रों तथा विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच संवादहीनता तथा छात्रहीत की अवहेलना प्रमुख रूप से नजर आती है। छात्रों के समस्याओं, फीस वृद्धि, हास्टल की समस्या, भोजन की गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति, सहित सांस्कृतिक जागरण हेतु विभिन्न तरीके के अभियान से उनके नेतृत्व के गुण को विकसित करने के लिए आवश्यक प्रयासों की अनदेखी तथा उसके क्रियान्वयन मे सुस्ती प्रमुख कारण है। किसी भी समाज तथा राष्ट्र के मूल धुरी में युवा केंद्रित होना चाहिए, तभी जाकर हम उसकी ऊर्जा का समाज को बेहतर बनाने में पूर्ण रूप से उपयोग कर सकते हैं।।

लेखकः- कल्याण सिंह।
शोध छात्र,
अध्यक्ष छात्र परिषद, बांदा कृषि एंव प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा।।

मंत्री, सांसद व विधायक जी से अनुरोध है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर यात्रा हेलीकॉप्टर से करें- अजीत

बंतरी से कनौरा तक राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर सड़क न बनने की वजह से लगातार हो रहा विरोध प्रदर्शन, बंतरी से कनौरा के बीच 2012 से करीब 2000 किसानों का फंसा है मुआवजा

प्रखर जौनपुर। वाराणसी को नेपाल बॉर्डर तक सोनौली से जोड़ने वाले वाली सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर जगह-जगह पर रोड नहीं तो टाल नहीं का स्लोगन लिखा हुआ है। इसी के साथ चंदवक गोमती पुल के पास एक नया स्लोगन लिखा गया है। जिस पर लिखा है कि मंत्री, सांसद व विधायक जी कृपया इस रोड पर हेलीकॉप्टर से यात्रा करें। इन दिनों क्षेत्र सहित सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। साथ ही प्रतीक स्वरूप हेलीकॉप्टर भी बनाया गया है। जिस पर लिखा गया है कि मंत्री सांसद विधायक जी इससे यात्रा करें! इस स्लोगन व हेलीकॉप्टर की वजह यह है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 28 का मुआवजा मई 2012 से फंसा हुआ है। लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा इन किसानों को अनदेखा किया जा रहा है। बताते चले कि सन 2012 में राष्ट्रीय राजमार्ग 28 का गजट हुआ था। जिसमें वाराणसी से सोनौली बॉर्डर तक फोरलेन सड़क बननी थी। सड़क तो बन चुकी है लेकिन सिर्फ जौनपुर जिले के केराकत तहसील अंतर्गत आने वाले बंतरी गांव से केराकत तहसील के आखिरी गांव आजमगढ़ की सीमा पर कनौरा तक करीब 20 किलोमीटर की सड़क अभी तक जैसे की तैसी है। नीरीह व असहाय 2000 किसानों को आज तक मुआवजे की एक फूटी कौड़ी नहीं मिली। इनमें से सैकड़ो किसानों ने मुआवजे के आस में दम तोड़ दिया, लेकिन मुआवजा नहीं मिला। लगातार किसानों द्वारा मुआवजे की मांग की गई। लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग के कान पर जूं तक नहीं रेंगी और तो और बिना सड़क बनाये ही वाराणसी आजमगढ़ होते हुए नेपाल बॉर्डर के सोनौली तक जोड़ने वाली सड़क पर बलरामगंज में टोल प्लाजा बना दिया गया। तमाम विरोध के बाद भी टोल प्लाजा बना और शुरू करने की कवायत शुरू हुई। लेकिन ग्रामीणों के विरोध के बाद टोल प्लाजा शुरू नहीं हो सका। अब बड़ा सवाल यह है कि टोल प्लाजा बन गया है, तो एक न एक दिन शुरू होगा ही। अब क्या जो बची हुई 20 किलोमीटर सड़क है वैसे के वैसे रह जाएगी? इसका भय किसानों में लगातार बना है। इस पर न कोई जनप्रतिनिधि, मंत्री न विधायक न सांसद कोई भी सुध लेने वाला नहीं है। कई बार किसानों द्वारा संबंधित मंत्रियों विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति सहित दर्जनों को पत्र भेजा गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसको लेकर किसान बड़ा प्रदर्शन करने की बात कर रहे हैं। बताते चले कि ग्रामीणों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रदर्शन की अगुवाई किसान नेता अजीत सिंह द्वारा की गई । वही किसानों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद सड़क का निर्माण नहीं कराया गया। सड़क का निर्माण नहीं होने पर ग्रामीणों ने एनएचआई के अधिकारियों से शिकायत भी की। तब भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। तो किसानों ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया। ऐसे में किसान नेता द्वारा दीवाल पर पेंटिंग करवाने के साथ ही हेलीकॉप्टर की आकृति बनवा दी गई। जिस पर लिखा गया है कि "सांसद और विधायक क्षेत्र में आने-जाने के लिए हेलीकॉप्टर का प्रयोग करें, क्योंकि सड़क खराब है। अधूरी सड़क की वजह से दुर्घटना संभावित क्षेत्र। आपकी नजर में जनता की जान की कीमत भले ना हो परंतु जनता आपके जान की कीमत बखूबी समझती है। वहीं किसान नेता अजीत सिंह ने बताया कि जब तक किसानों की समस्या का समाधान नहीं होगा और सड़क का निर्माण नहीं होगा, तब तक वे विभिन्न तरीकों से विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे।

केराकत एसडीएम तहसीलदार को लेखपाल सहित लोकायुक्त का बुलावा

चर्चित एसडीएम पूर्व में पत्रकारों पर दर्ज करा चुकी है मुकदमा

प्रखर केराकत जौनपुर। एसडीम केराकत तहसीलदार व लेखपाल को आय से अधिक संपत्ति मामले में उप लोकायुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा 11 मार्च 24 को अपना पक्ष रखने के लिया बुलाया गया। गौरतलब है कि जनपद देवरिया के निवासी मूल निवासी रणवीर सिंह ने इस मामले में शासन में शिकायती पत्र लिखा है। जिसका संज्ञान लेते हुए लोकपाल आयुक्त उत्तर प्रदेश के यहां से इस संबंध में सम्मन भेजा गया है । जिसमें उपरोक्त तीनों लोगों को अपने आय और संपत्ति से संबंधित संलग्न सारे दस्तावेजों के साथ 11 मार्च को लोकायुक्त कार्यालय में उपस्थित होना है। केराकत तहसील में अपनी कार्यशैली के लिए नेहा मिश्रा हमेशा चर्चा में रही है । बता दें कि इसके पहले नेहा मिश्रा पत्रकारों के ऊपर मुकदमा दर्ज कराने के बाद चर्चा में रही थी। बता दें कि नेहा मिश्रा अपनी कार्यशैली के लिए पूरे जनपद के सबसे चर्चित अधिकारियों में से एक हैं। इस संदर्भ में एसडीएम नेहा मिश्रा ने प्रखर पूर्वांचल से बात करते हुए कहा कि उन्हें इस मामले में कोई जानकारी नहीं है।

पीडीए की रणनीति पर सपा लोकसभा लड़ेगी : आजम खान

इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो कर्ज माफ होंगे, प्रवक्ता बनने के बाद जनपद आगमन पर पत्रकारों से हुए रुबरु

खेतासराय (जौनपुर)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मो आजम खान ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी रोजगार की बात करती है लेकिन नौकरी की नहीं। लोकसभा चुनाव पीडीए की रणनीति पर पार्टी चुनाव लड़ेगी। आरएलडी को बीजेपी में जाने को हास्यापद बताया। इंडिया गठबंधन में आरएलडी, अपना दल, कांग्रेस, कमेरावादी, आजाद पार्टी और समाजवादी पार्टी मिलकर चुनाव लड़ रही है। पूरे विपक्ष को भाजपा राम विरोधी बताने पर तुली हुई है। सपा महगाई, बेरोजगारी, किसानों और जमीनी मुद्दे को फोकस करेगी। वह बुधवार को प्रवक्ता बनने के बाद जनपद आगमन पर मनेछा गांव में मीडिया कर्मियों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट में जनता को घोर निराशा मिली है। उन्हें कोई खास तवज्जों नही मिली है। गरीबों, किसानों और युवाओं के उम्मीद पर पानी फेर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बिना नाम लिए आड़े

हाथों लेते हुए कहा कि वह और उनकी पार्टी रोजगार की बात करती है लेकिन नौकरी बात करने से कतराती है। लोकसभा चुनाव में भाजपा राम रथ पर सवार होकर चुनाव लड़ने के बाबत श्री खान ने कहा कि भगवान राम का कोई विरोध नही कर सकता लेकिन बीजेपी पूरे विपक्ष को राम विरोधी बताकर बदनाम कर रही है। जनता अच्छी तरह से जानती है। आस्था के नाम ज्यादा दिन तक किसी को बरगलाया नहीं जा सकता है। बेरोजगारी चरम है, मुलभूति समस्या जनता कराह रही है। किसानो की नींद हराम हो गई है। एयरलाइंस सरकार की बहुमत आती है तो अग्निवीर की व्यवस्था की जाएगी और किसानों के कर्ज माफ किये जायेंगे। उत्तराखंड सरकार द्वारा सिविल कोड लागू किए जाने पर कहा कि यह एक तरफा फैसला है। सरकार को मुस्लिम धर्मगुरुओं, बुद्धजीवियों और अन्य लोंगो से रॉय लेना चाहिए था। इस अवसर पर सरफराज अहमद चेयरमैन प्रतिनिधि, मो असलम, गोरे यादव, सुजीत यादव, रतन साहू समेत अन्य लोग शामिल रहे।

बीजेपी समर्थित राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महाज समाज का जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन, मुख्य अतिथि रहे जगदम्बा लाल श्रीवास्तव

संतकबीरनगर। राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महाज का जागरूकता अभियान कार्यक्रम का संतकबीरनगर जिले के सेमरियावा विकास खंड के पंचदेउरा गांव में आयोजन हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे भारतीय जनता पार्टी के संतकबीरनगर जिले के जिला अध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव। राष्ट्रवादी पसमांदा महाज जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रभारी जुबेर अहमद के नेतृत्व में हुआ। मोटरसाइकिल से दर्जनों मोटरसाइकिल स्वर नौआ गांव से चलकर चिउटना होते हुए पच देउरा गांव में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पर सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण इकट्ठा थे। मंच पर कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महाज के जिला अध्यक्ष शहंशाह ने मुख्य अतिथि जगदंबा लाल श्रीवास्तव का माला पहना कर स्वागत किया। वही जिला प्रभारी व मोदी मित्र जुबैर अहमद ने जिला अध्यक्ष का बुके दे कर फूल मालाओं से स्वागत किया । कार्यक्रम के दौरान मंच से जुबैर अहमद ने कहा की सपा, बसपा,कांग्रेस ने हम मुस्लिम समुदाय के लोगो को सिर्फ वोट बैंक के नाम पर ठगने का काम किया हैं । देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी की सरकार में हमारे समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए तथा समाज में अंतिम छोर पर बैठे हुए व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर व तैयार तथा प्रयासरत है। सरकार द्वारा

चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं और जन-जन तक पहुंचे तथा उसका लाभ समाज में अंतिम छोर पर मौजूद व्यक्ति को मिलना चाहिए।

इसी क्रम में सरकार के द्वारा चलाई गई सभी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक किया गया तथा इसका लाभ कैसे मिले इसके बारे में उन्हें बताया गया मुख्य अतिथि जगदंबा लाल श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधक में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बिना जाति धर्म को देखे बिना भेदभाव के हर योजनाओं का लाभ देने के लिए सदैव तत्पर है। सरकारी योजनाओं का लाभ सभी को मिले उसमें किसी भी प्रकार का सरकार भेदभाव नहीं रख रही है चाहे वह हिंदू हो मुस्लिम हो दलित हो पिछड़ा हो हर व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। आगे उन्होंने बताया कि जिस प्रकार से देश के सचिव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार के द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ समाज के हर व्यक्ति को मिल रहा है चाहे वह प्रधानमंत्री आवास योजना हो या किसान सम्मन निधि हो या मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम हो शौचालय हो सभी क्षेत्रों में बिना भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित सभी लोगों ने अपने-अपने बातों और विचारों को रखा जिसे कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनमानस में बड़े ध्यान से सुना । जिला अध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव कहां की आने वाले 2024 में लोकसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के हाथों को मजबूत करें पुनः फिर से एक बार नरेंद्र मोदी जी की सरकार को सत्ता में लिया और बिना भेदभाव के सरकार के द्वारा चलाई गई योजनाओं का लाभ ले। राष्ट्रवादी मुस्लिम पशम्मदा महा समाज के इस जागरूकता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगदंबा लाल श्रीवास्तव के साथ राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महाज के जिला अध्यक्ष शहंशाह, मंडल प्रभारी एजाज अहमद,जिला उपाध्यक्ष वहाबुद्दीन साहब,अल्ताफ हुसैन,मोहमद सुहैल,अशरफ खान,इकबाल पठान,जफर हुसैन, समीम अहमद,मोहमद अनस,अबुबकर सिद्धकी,गुलाब खान, नसीफ अंसारी, यशोदा यादव, राम पुरषोत्तम गुप्ता आदि लोग तथा ग्रामीण भारी संख्या में मौजूद रहे।

घर के भोजन में छिपा होता है निस्वार्थ प्रेम संस्कार और पोषण

महराजगंज (जौनपुर)। क्षेत्र के भटपुरा स्थित बाबा परमहंस विद्यालय में चल रहे नौ दिवसीय राम कथा के दूसरे दिन व्यास स्वामी उमादास जी महराज ने राम के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके कृत्यों को मानव जीवन में उतारने के लिए कहा श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मां के हाथों के भोजन में निःस्वार्थ प्रेम के साथ-साथ संस्कार और पोषण छुपा होता है।मां निस्वार्थ भाव से अपने परिवार और बेटे के लिए भोजन बनाती है। ऐसे में मां के भोजन से बच्चों में निस्वार्थ प्रेम संस्कार नैतिकता का विकास होता है।जबकि होटल के भोजन को बनाने वाला रसोईया अपनी मेहनत का फल प्राप्त करने के लिए भोजन बनाता है।ऐसे मैं इस भोजन में निस्वार्थ प्रेम और संस्कार लुप्त हो जाता है।यत्र नार्यस्तु पूज्यंते तत्र रमंते देवता की व्याख्या करते हुए कहा भारतीय संस्कृति मे नारियां सदैव पूज्य होती है।नारियां दो कुलो परिवारों को संस्कार मयार्दा नैतिकता और धर्म की शिक्षा प्रदान करती है।इन माताओं द्वारा डाली गई नींव पर बच्चों के भविष्य का संस्कार निर्भर करता है।धर्म की स्थापना व अधर्म के विनाश के लिए महिला शक्ति सदैव सामने

आई है।भगवान अपने भक्तों से प्रेम करते हैं।आयोजक सोनू सिंह व्यवस्थापक अखिलेश यादव द्वारा आरती व प्रसाद का वितरण किया गया।मौके पर शेर बहादुर यादव अध्यापक भोला सेठ, जय सिंह यादव, छोटे लाल,पंकज कुमार, अंबुज यादव,दिनेश यादव,कृष्ण कुमार सहित सैकड़ों श्रद्धालु रहे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ पुलिस सम्मान से सम्मानित देशभर में प्रसिद्ध गाजीपुर निवासी संतोष सिंह बने रायपुर के एसपी

बेस्ट पुलिसिंग के साथ ही कायम किए विश्व रिकार्ड

जखनियां। देश के टॉप 23 इनोवेटर ब्यूरोक्रेट्स में गाजीपुर के देवकली गांव के मूल निवासी व वर्तमान में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एसपी संतोष सिंह को शामिल किया गया है। शासन द्वारा छत्तीसगढ़ के 25 पुलिस अधीक्षकों का स्थानांतरण किए जाने के बाद संतोष सिंह को बिलासपुर से राजधानी रायपुर में एसपी बनाकर भेजा गया है। वहीं रायपुर के एसपी रहे प्रशांत अग्रवाल को पदोन्नति देते हुए शासन ने उन्हें बस्तर क्षेत्र के छसबल का डीआईजी बनाया है। इसके अलावा नक्सलियों से मोर्चा लेने के लिए राजधानी रायपुर में शासन ने एसपी एटीएस के पद पर भी एक आईपीएस को नियुक्ति दी है। नक्सली बाहुल्य क्षेत्र दंतेवाड़ा में 9वीं वाहिनी के कमांडेंट अजातबहादुर सिंह को रायपुर का एसपी एटीएस बनाया गया है। देवकली के मूल निवासी संतोष सिंह नवाचार के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। उनको छत्तीसगढ़ प्रदेश की राजधानी रायपुर का एसपी बनाए जाने के बाद क्षेत्रीय लोग गौरवान्वित हो रहे हैं। बता दें कि देश में ब्यूरोक्रेट्स के कामकाज पर नजर रखने वाली संस्था ब्यूरोक्रेट इंडिया ने हाल ही में पूरे देश में सर्वे करते हुए टॉप 23 इनोवेटर्स की लिस्ट जारी की है। जिसमें रायपुर के एसपी संतोष को भी शामिल किया गया है। देवकली के मूल निवासी संतोष सिंह पत्रकार अशोक कुमार कुशवाहा के सबसे बड़े पुत्र हैं। मंझले पुत्र डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह जखनियां सीएचसी पर बाल रोग विशेषज्ञ हैं व छोटे पुत्र डॉ धर्मेन्द्र कुमार सिंह शिलांग विश्वविद्यालय में सहायक प्रवक्ता के पद पर तैनात हैं। छत्तीसगढ़ में नशे के खिलाफ आईपीएस संतोष सिंह द्वारा चलाए गए अभियान के चलते बिलासपुर

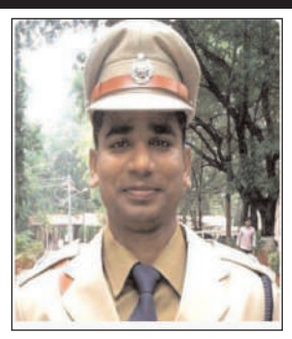

जिले में अपराध के ग्राफ में काफी गिरावट आई। जिसके चलते संस्था ने अपनी चयनित सूची में उन्हें शामिल किया है। 2011 बैच के आईपीएस संतोष सिंह के साथ ही देश के टॉप 23 आईपीएस को भी ये सम्मान दिया गया है। संतोष सिंह अब तक कोरबा, राजनंदगांव, कोरिया, रायगढ़, महासमुन्द, नारायणपुर व कोंडागांव जिले के एसपी रह चुके हैं। इसके अलावा नक्सल बाहुल्य क्षेत्र सुकमा में वो नक्सल ऑपरेशन को अंजाम दे चुके हैं, साथ ही दुर्ग में सीएसपी पद पर रह चुके हैं। 2018 में महासमुंद के एसपी रहने के दौरान एक लाख बच्चों को सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण दिलाकर विश्व रिकार्ड बनाने वाले आईपीएस संतोष सिंह को भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू द्वारा चैंपियंस ऑफ चेंज का अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान को मिलने के बाद गाजीपुर के लोगों में भी खासा उत्साह था। इसके अलावा रायगढ़ में फिक्की स्मार्ट पुलिसिंग पुरस्कार भी उन्हें मिला। कोरबा का एसपी रहने के दौरान आईएसीपी यानी इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पुलिस संगठन अवार्ड्स में उन्हें अंतराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका में 165 देशों के बीच ये सम्मान दिया गया। ये सम्मान दुनिया के 165 देशों से हर देश के दो सर्वश्रेष्ठ पुलिस अधिकारियों को दिया जाता है। जिसमें भारत से सिर्फ दो अधिकारियों को ये सम्मान मिला था। इसके अलावा भारत सरकार के गृह मंत्रालय बीपीआरडी द्वारा देश के 30 श्रेष्ठ स्मार्ट पुलिसिंग में भी इन्हें मान्यता दी गयी। रायगढ़ में कोविड काल में एक दिन में ही 12 लाख से अधिक लोगों में मास्क का वितरण करके भी एक विश्व रिकार्ड बनाया था। ब्यूरोक्रेट इंडिया 2020 में गुड गवर्नेंस अवार्ड भी इन्हें मिल चुका है। इसके अलावा रायगढ़ में अपराध पर नियंत्रण के लिए 3 बार इन्हें इंद्रधनुष अवार्ड मिल चुका है। आईपीएस संतोष सिंह ने वाराणसी के बीएचयू से स्नातक व स्नातकोत्तर किया और दोनों में टॉप करके स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके बाद यूजीसी नेट में जेआरफ हासिल की और जेएनयू से एम. फिल करके वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के काम काज पर पीएचडी कर रहे हैं।

पत्रकारों में खुशी की लहर- वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के कामकाज पर शोध कर रहे गाजीपुर के मूल निवासी छत्तीसगढ़ सूबे की राजधानी रायपुर के एसपी संतोष सिंह के लगातार नौवीं बार राजधानी मुख्यालय का एसपी बनाए जाने पर जिला सहित स्थानीय पत्रकारों में खुशी की लहर है। जखनियां से सतीश जायसवाल राधेश्याम जायसवाल गोपाल पाण्डेय दुल्लहपुर से भुवन जायसवाल संजय चौबे, गौरीशंकर पाण्डेय रमेश सोनी मनिहारी से रमेश यादव आदि पत्रकारों ने प्रतिभाशाली एसपी संतोष सिंह के उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएं करते हुए बधाई दी। कहा कि प्रतिभा किसी परिचय का मोहताज नहीं होती। दूर दृष्टि पक्का इरादा हर कार्य को आसान बना देता है । ऊंचे मुकाम को हासिल करने में माता पिता के आदर्श संस्कार भी काफी हदतक सहायक होते हैं। देवकली निवासी वरिष्ठ पत्रकार मृदुल स्वभाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी अशोक कुमार कुशवाहा जी के ज्येष्ठ पुत्र संतोष जी के पुलिस विभाग में नवाचार पद्धति और कार्य करने का तौर-तरीका अपने आप में काबिले तारीफ है। इससे छत्तीसगढ़ सूबा ही नहीं देश से बाहर भी पैतृक जनपद गाजीपुर का मान बढा है।।

संक्षिप्त खबरें

बजट प्रदेश के किसान,नौजवान, महिला एवं गरीब को आर्थिक एवं आध्यात्मिक रुप से सशक्त,सक्षम और समर्थ बनाने में होगा सहायक - डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। वित्तीय वर्ष 2024 -25 के उत्तर प्रदेश सरकार के बजट पर आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा सरकार की ओर से ये ही प्रयास है कि उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने वाला प्रदेश हो। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए लिए ?7,36,437 करोड़ का यह बजट प्रदेश के किसान, नौजवान,महिला एवं गरीब को आर्थिक एवं आध्यात्मिक रुप से सशक्त,सक्षम और समर्थ बनाने में सहायक सिद्ध होगा साथ ही उन्होंने इस सर्वग्राही बजट के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का हार्दिक आभार प्रकट किया।

पिंडरा को शिकायत निस्तारण में मिला प्रदेश में चौथी बार प्रथम स्थान

पिंडरा। आईजीआरएस पोर्टल पर किये गए शिकायत का समयबद्ध तरीके से पूर्ण निस्तारण करने पर पिंडरा तहसील को प्रदेश व जिले में लगातार चौथी बार प्रथम स्थान मिला। प्रदेश सरकार द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत पत्रों के गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से निस्तारण करने पर 90 अंक निर्धारित है। उसी के आधार पर प्रदेश के विभिन्न तहसीलों को अंक दिए जाते है। पिंडरा तहसील में कुल 82मामले आईजी आरएस पोर्टल पर थे। जिसे समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण पर पूरे 90 अंक दिए हैं। जिससे पिंडरा तहसील को प्रथम स्थान मिला। यह उपलब्धि पिंडरा तहसील को लगातार चौथी और अब तक बार यह उपलब्धि हासिल की है। इस बाबत एसडीएम प्रतिभा मिश्रा ने कहाकि यह उपलब्धि अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास का नतीजा है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र है।

लोकसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ी, चुनाव प्रचार हुआ तेज

शाहगंज (जौनपुर)। जैसे जैसे आम चुनाव नजदीक आरहा है वैसे संसद भवन में जाने का सपना संजोने वाले भावी प्रत्याशियों की दिल्ली परिक्रमा तेज हो गयी है। वहीं जौनपुर सदर लोकसभा की बात करें तो यहां पर भाजपा के भावी प्रत्याशियों की भारी लाइन है।मगर जेडीयू और भाजपा के गढबन्धन हो जाने से पूरा चुनावी समीकरण इधर से उधर हो गया।अगर सदर सीट जेडीयू के खाते में जाती है तो यहां से पूर्व सांसद धनंजय सिंह का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है।वैसे भी देखा जाय तो पूरे जौनपुर सदर क्षेत्र में धनंजय सिंह लगातार कार्यक्रमों, शादी विवाह, घटना, दुर्घटना आदि मौकों पर पहुंच कर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज करा रहे हैं।और इसी के साथ चुनाव प्रचार में भी धार दे रहे हैं। बुधवार को शाहगंज में धनंजय समर्थकों ने जगह जगह बड़े होर्डिंग पोस्टर और बड़ा छाता लगाकर धनंजय सिंह के पक्ष में हवा बनाने का भरपूर प्रयास किया।वैसे तो कहा यहां तक जाता है की पूर्व सांसद धनंजय सिंह को अगर टिकट नही भी

मिलता है तब भी वह चुनावी मैदान दो दो हाथ करने के लिए पूरा मन बना चुके हैं। और देखा जाय तो जिले की राजनीति पूर्व सांसद के इर्द गिर्द घूमती है। अब आने वाला समय बताएगा की जनता किसको अपना प्रतिनिधि चुन कर देश के सबसे बड़े पंचायत भवन में भेजती है। प्रचार के दौरान डाक्टर फरहान शेख, सलमान, उत्कर्ष राय, पवन निषाद, सोनू यादव, मोनू निषाद, पंकज गुप्ता, नीरज यादव, शनि अग्रहरि, माजिद शेख आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में एक अन्तर्जनपदीय गोतस्कर अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ में एक अन्तर्जनपदीय गौ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल अभियुक्त को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस कार्यवाही में मीरगंज पुलिस भी शामिल रही। इसके पास से एक देशी तमंचा, 315 बोर जिंदा कारतूस,दो खोखा, चोरी की एक बाइक, दो मोबाइल समेत 17 हजार रूपए नकद बरामद हुआ। प्रभारी निरीक्षक मुगराबादशाहपुर संजय वर्मा मय हमराह के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर प्रभारी निरीक्षक मीरगंज देवानन्द रजक मय हमराह टीम के साथ अपराध एवं अपराधियों के बारे में बातचीत कर रहे थे तभी मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ अपराधी गरियांव से मुंगराबादशाहपुर की तरफ अपराध करने की फिराक में आ रहे है की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए उक्त पुलिस बल द्वारा नीभापुर रेलवे क्रासिंग के पास आने जाने वाले व्यक्तियों की चेकिंग की जाने लगी तभी एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये । जिन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो अभियुक्तगण द्वारा पुलिस बल पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। जिसके जवाबी कार्यवाही में दोनो संयुक्त टीम द्वारा फिल्ड क्राफ्ट का प्रयोग करते हुए आत्मरक्षार्थ जबाबी फायर किया गया । जिससे एक अभियुक्त के दाएं पैर के घुटने के पास गोली लगी, जिससे व वही गिर गया तथा दूसरा अभियुक्त फरार हो गया । घायल अभियुक्त का नाम पता पूछने पर अपना नाम अली हुसैन उर्फ अमन 32 वर्ष पुत्र शाह मोहम्मद निवासी नरगहना, थाना पवारा, जौनपुर बताया। जिसके कब्जे से एक नजायज देशी तमंचा 315 बोर व तीन जिन्दा कारतूस 315 बोर व दो खोखा कारतूस 315 बोर व चोरी एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल व 17 हजार रूपए नकद बरामद हुई। घायल अभियुक्त को इलाज के लिए अस्पताल में भेजवाया गया। इसके ऊपर उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अन्य विधिक कार्यवाही किया जा रहा है। इस संबंध मे थानाध्यक्ष संजय वर्मा ने बताया कि इसके ऊपर पूर्व से कई जनपदों में अनेक धाराओं में मुकदमा दर्ज है। यह काफी शातिर अपराधी है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे मुंगरा बादशाहपुर थानाध्यक्ष संजय वर्मा,मीरगंज थानाध्यक्ष देवानन्द रजक ,उप निरीक्षक राकेश कुमार राय ,शतिन्द्र तिवारी, कांस्टेबल अजय राव, कांस्टेबल विपिन यादव शामिल रहे।

राहुल बोले, ममता बनर्जी अब भी गठबंधन का हिस्सा

सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत चल रही है, देश में सबसे बड़ा मुद्दा अन्याय

● रांची

कांग्रेस ने नेता राहुल गांधी ने कहा कि ममता बनर्जी अब भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। गठबंधन में शामिल दलों के साथ सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत चल रही है। पिछले हफ्ते ममता ने कांग्रेस पर सीपीआई (एम) के साथ मिलकर भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया था। साथ ही कहा कि टीएमसी बंगाल में इंडिया गठबंधन के साथ चुनाव नहीं लड़ेगी।

राहुल गांधी मंगलवार को गुमला जिले के बसिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा मंगलवार को झारखंड के गुमला पहुंची है। राहुल ने कहा कि बिहार में गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेगा। नीतीश कुमार गठबंधन को छोड़कर गए हैं। वो भाजपा के साथ क्यों गए ये आप समझ सकते हैं। प्रधानमंत्री के सबसे बड़े ओबीसी वाले बयान पर राहुल ने कहा कि पीएम खुद को ओबीसी कहते हैं। बीच में वो कंफ्यूज हो गए और फिर कहने लगे कि देश में सिर्फ दो ही जातियां हैं- अमीर और गरीब। इसलिए उन्हें पहले फैसला करना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि देश में जातीय जनगणना कराई जाना चाहिए।

गुमला जिले में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान समर्थकों का अभिवादन करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

आरक्षण की 50 फीसदी की लिमिट हटाएंगे-राहुल

इससे पूर्व न्याय यात्रा के दौरान खूंटी में राहुल गांधी ने संबोधित करते हुए कहा कि आरक्षण पर 50 फीसदी की लिमिट है, हम उसे उखाड़ कर फेंक देंगे। मैं चाहता हूं कि 7-8 साल बाद जो कपड़े आप पहनते हैं, उसकी फैक्ट्री इस गांव में हो। जब आप अपने शर्ट के पीछे देखें तो उस पर लिखा हो मेड इन झारखंड। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि देश के आदिवासी, दलित, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और गरीबों को उनका हक मिले। भाजपा चाहती है कि देश का पूरा धन उनके चुनिंदा अरबपतियों को दिया जाए। लेकिन जितना धन उन अरबपतियों के पास जाएगा। देश में उतना कम रोजगार पैदा होगा। क्योंकि वे चीन से माल खरीदेंगे और आपको बेचेंगे। अगर सही मायनों में छोटे उद्योगों की मदद की जाए तो झारखंड में सभी को रोजगार मिलेगा। राहुल ने आगे कहा कि अदाणी की कंपनी में एससी-एसटी, ओबीसी वर्ग का एक भी व्यक्ति काम नहीं करता है। आप टैक्स दे रहे हैं, अदाणी को जमीन दे रहे हैं, लेकिन उनकी कंपनी में आपका एक आदमी नहीं है।

आज ओडिशा पहुंचेगी यात्रा फिर जाएंगे छत्तीसगढ़

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मंगलवार को को ओडिशा पहुंचेगी। जहां शरत पटनायक, सुंदरगढ़ के बीरमित्रपुर में पार्टी के नेता राहुल गांधी का स्वागत करेंगे। इसके बाद यात्रा झारसुगुड़ा पहुंचेगी। यहां 7 फरवरी को रात गुजारने की संभावना है। अगली सुबह यात्रा छत्तीसगढ़ में प्रवेश करने से पहले ब्रजराज नगर, बेलपहाड़, कनकटरा पहुंचेगी।

झारखंड में अब तक सात जिले किए कवर

राहुल गांधी की न्याय यात्रा झारखंड में अब तक सात जिले कवर कर चुकी है। उनकी न्याय यात्रा की शुरुआत पाकुड़ जिले से हुई। जिसके बाद वे गोड्डा पहुंचे। यहां जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद देवघर में बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना की। यहां से वे धनबाद पहुंचे। 4 फरवरी को राहुल गांधी बोकारो के रास्ते रामगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। सोमवार की सुबह आठ बजे उनकी यात्रा शुरू हुई। रांची के शहीद मैदान में लोगों को संबोधित करने के बाद खूंटी पहुंचे। यहां रात्रि विश्राम के बाद मंगलवार की सुबह यात्रा प्रारंभ करेंगे। फिर सिमडेगा में लोगों से मिलते हुए ओडिशा में प्रवेश करेंगे।

दोस्तों का मांस खाकर 72 दिन तक जिंदा रहे प्लेन क्रैश में बचे 16 नागरिक

नई दिल्ली। 'पहली बार जब मैंने इंसानी मांस खाया तो मेरे शरीर ने उसे बाहर फेंक दिया...लेकिन हमारे लिए इससे भी बुरा समय आ रहा था...', 1972 के एंडीज विमान दुर्घटना के 16 बचने वाले लोगों में एडुआर्डो स्ट्रॉच भी शामिल थे। यह कहानी है समुद्रतल से 12,000 फीट की ऊंचाई पर माइनस 30 डिग्री तापमान में बिना खाना-पानी के 72 दिन मौत से घिरे रहने के बावजूद जिंदगी की जंग लड़ने की। एंडीज विमान दुर्घटना और उसमें बचे लोगों की जिजीविषा की कहानी पर एक फिल्म बनी है, 'सोसाइटी ऑफ द स्नो', जो हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज की गई है।13 अक्टूबर 1972 का दिन था जब उरुग्वे एयर फोर्स की फ्लाइट 571 ने क्रू समेत 45 लोगों के साथ उड़ान भरी। मौसम बेहद खराब था और विमान के सामने क्या है, पायलट के लिए देख पाना एकदम मुश्किल था. पायलट ने जहाज की स्थिति का गलत अनुमान लगाया और देखते ही देखते विमान एंडीज पर्वत की चोटी से टकराकर क्रैश हो गया।इस क्रैश में विमान में सवार 45 लोगों में से 33 लोग जिंदा बचे लेकिन इन जिंदा बचे लोगों के लिए आगे का वक्त मौत से भी बदतर था। रूह कंपा देने वाली ठंड में 33 लोग बिना पर्याप्त कपड़ों के धीरे-धीरे मरने लगे। एंडीज पर्वत पर ठंड इतनी ज्यादा थी कि बर्फ के अलावा वहां कुछ नहीं था।

विमान दुर्घटना और उसमें बचे लोगों की जिजीविषा की कहानी पर बन रही फिल्म

पहले जूते, कपड़े फिर इंसानी मांस को खाने लगे लोग: कुछ ही दिनों में विमान का बचा खुचा खाना खत्म हो गया और भूखे लोगों ने पेट दर्द रोकने ने लिए अपने जूतों और कपड़ों तक को खाना शुरू कर दिया। भूख से लोगों की हालत बिगड़ती जा रही थी जिसे देखते हुए बचे लोगों ने आपस में बातचीत की और फैसला किया गया कि किसी तरह खुद को बचाए रखेंगे ताकि उन्हें जिंदा रेस्क्यू किया जा सके... और जिंदा रहने के लिए उनका खाना जरूरी था। एक लंबी बहस के बाद तय हुआ कि वो बर्फ में दबे अपने सहयात्री मनुष्यों का मांस खाएंगे ताकि जीवित रह सकें।

ब्रिटिश अखबार द सन को दिए एक इंटरव्यू में एंडीज विमान दुर्घटना में बचने वाले एडुआर्डो स्ट्रॉच ने अपनी भयावह कहानी बयां की है।

जब मैंने पहली बार इंसानी मांस खायाः 76 साल के एडुआर्डो ने बताया कि दुर्घटना में उन्होंने कई करीबी दोस्तों को खो दिया और खुद को बचाने के लिए उन्हें इंसानी मांस खाना पड़ा था।

वो बताते हैं, जब मैंने पहली बार इंसानी मांस खाया तो मेरे दिमाग में कोई हलचल नहीं हुई....मैंने इंसानी मांस खाने के लिए खुद को पूरी तरह तैयार किया था लेकिन मेरे शरीर ने उस मांस को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, उसे बाहर फेंक दिया। उनका कहना था कि उनकी संस्कृति ऐसी है कि उनका शरीर इंसानी मांस को हजम नहीं कर पाया. वो बताते हैं, इंसानी मांस का कोई टेस्ट नहीं था....ऐसा लग रहा था कि मैं चावल खा रहा हूं। भूख और ठंड से मरते लोगों को इंसानी मांस खाने के लिए एडुआर्डो के चचेरे भाई फिटो ने तैयार किया था। वो पहला व्यक्ति था जिसने बर्फ में अच्छे से संरक्षित शवों को काटकर उन्हें खाने लायक बनाया। फिटो ने अपने भाई और बाकी लोगों को मांस के छोटे टुकड़े खाने के लिए तैयार किया। एडुआर्डो बताते हैं, मेरे लिए पहली बार इंसानी मांस खाना आसान नहीं था। उसने मेरी मदद की। दुर्घटना के 10वें दिन ही विमान का खाना समाप्त हो गया था जिसके बाद लोगों के पास इंसानी मांस खाने के अलावा कोई चारा नहीं था। एडुआर्डो बताते हैं कि वो लोग बस इतना ही मांस खाते थे कि उनकी जान बची रहे।

हनी ट्रैप में फंसाकर 96.5 लाख पुलिसकर्मियों से ऐंठे

अलवर। शहर में एक पुलिस अधिकारी और सिपाही को हनी ट्रैप के मामले में फंसाकर आरोपी ने 96.5 लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। जिला पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने मंगलवार को बताया कि पीड़ित पुलिस निरीक्षक और सिपाही ने इस संबंध में अरावली विहार थाना में एक रिपोर्ट दर्ज कराइ, जिसमें बताया कि वह अलवर की महिला के संपर्क में सोशल मीडिया के माध्यम से 022 में जुड़े और उस महिला के संपर्क में आने के बाद मिलना-जुलना हुआ इस बीच महिला ने चतुराई से उनके आपत्तिजनक फोटो वीडियो बना लिए। उसके बाद में ब्लैकमेलिंग करने लगे की या तो तुम पैसे दे दो नहीं तो रैप का केस दर्ज करा देंगे।

शादीशुदा से अफेयर, मिस जापान ने छोड़ा खिताब!

टोक्यो। बीते दिनों यूक्रेन मूल की मॉडल कैरोलिना शिनो ने टोक्यो में आयोजित मिस जापान का खिताब जीता था। इस प्रतियोगिता को 22 जनवरी को जीतने के बाद से ही जापान में उनके खिताब को लेकर बहस छिड़ गई थी। लोगों का मानना था कि मिस जापान का खिताब एसी महिला को देना बिल्कुल भी ठीक नहीं है, जो असल में जापानी मूल की है ही नहीं। वहीं अब कैरोलिना ने अपने मिस जापान का ताज वापस लौटा दिया है, हालांकि उसकी वजह कुछ और है।

भारतीयों पर्यटकों को वीजा फ्री एंट्री दे रहा ईरान

तेहरान। इस्लामिक देश ईरान ने भारतीय पर्यटकों के लिए वीजा फ्री एंट्री रविवार 4 फरवरी से शुरू कर दी है। इसकी घोषणा कुछ समय पहले कर दी गई थी. ईरान ने भारत समेत 33 देशों के लिए वीजा फी एंट्री की अनुमति दी है। हालांकि, अगर कोई भारतीय सड़कमार्ग से ईरान जाता है तो उसे वीजा के लिए अप्लाई करना जरूरी है। सिर्फ हवाई यात्रा से जा रहे भारतीयों के लिए वीजा फ्री एंट्री है। आधिकारिक ईरानी न्यूज समाचार एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकार का यह कदम पर्यटकों की संख्या को बढ़ावा देना है।

आज का इतिहास

- **1831:** बेल्जियम में संविधान लागू हुआ।
- **1845:** ब्रिटिश म्यूजियम में रखा बेशकीमती पोर्टलैंड वास यानी फूलदान एक शराबी विलियम फ्लॉयड की वजह से गिर गया था और उसके 80 टुकड़े हो गए थे।
- **1856:** अवध के नवाब वाजिद अली शाह को ईस्ट इंडिया कंपनी ने गद्दी छोड़ने पर मजबूर किया और पूरे अवध पर कंपनी का कब्जा हो गया।
- **1915:** पहली बार चलती ट्रेन से भेजा गया वायरलेस मैसेज रेलवे स्टेशन को मिला।
- **1939:** लंदन में फिलिस्तीन कांफ्रेस शुरू। प्रधानमंत्री चैंबरलेन ने यहूदियों और अरब प्रतिनिधियों के बीच सुलह सफाई का अनुरोध किया।

मंदिर में बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को 30 साल की कठोर कैद की सजा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर परिसर में सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के दोषी व्यक्ति को 30 वर्ष कठोर कैद की सजा और उसे एक लाख रुपए पीड़िता देने का आदेश दिया है। जस्टिसइ9ससी टी रविकुमार और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि दोषी भग्गी ऊर्फ भागीरथ ने मंदिर की पवित्रता की परवाह किए बिना एक ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण और बर्बर कृत्य किया जो पीड़िता को हमेशा परेशान कर सकता है।

पीठ ने 2018 की दुर्भाग्यपूर्ण च बर्बर घटना के मामले में सोमवार को अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि दोषी को 30 साल की वास्तविक सजा पूरी होने से पहले जेल से रिहा नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने हालाँकि मप्र हाईकोर्ट के आदेश को संशोधित किया, जिसने आईपीसी की धारा 376 ए बी के तहत सजा को मृत्युदंड से आजीवन कारावास में बदल दिया था। याचिकाकर्ता-दोषी ने दलील दी थी कि हाईकोर्ट ने दर्ज किया था कि जिस तरह से अपराध किया गया वह बर्बर और क्रूर नहीं था। उनके वकील ने अदालत के समक्ष दलील देते हुए कहा कि कोई आपराधिक इतिहास नहीं होने के कारण दोषी को न्यूनतम जुर्माने के साथ 20 साल की कठोर कारावास की सजा होगी। शीर्ष ने कहा कि स्थिति यह है कि दोषी ने अपनी वासना को संतुष्ट करने के लिए सात साल की लड़की के साथ दुष्कर्म किया।

पीर पंजाल में बिछी सफेद चादर

पुंछ में मंगलवार को पीर पंजाल श्रृंखला पर बर्फ से ढके पहाड़ों का दृश्य।

अरुणाचल प्रदेश के सीएम ने रामलला के किए दर्शन

अयोध्या। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और उनके कैबिनेट के मंत्री महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे। इस दौरान उनका स्वागत किया गया। इसके बाद ष्टरूव कैबिनेट के सदस्यों ने रामलला के दर्शन किए।

पेमा खांडू बोले- रामराज्य आ गया है, यह देश के लिए शुभ संकेत

एयरपोर्ट पर सीएम पेमा खांडू ने कहा कि अब रामराज्य आ गया है। अयोध्या का विवाद 500 साल के संघर्ष के बाद निपट गया है। यह देश के लिए एक शुभ संकेत है। वह अयोध्या में भी अपना प्रतीक चिह्न बनाएंगे और प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ से बात करेंगे। यह कैसा होगा इसका स्ट्रक्य र अभी तय किया जाना है।

चीन-पाक सीमा पर 12 नए सर्विलांस तैनात होंगे विमान

नई दिल्ली। चीन और पाकिस्तान बॉर्डर पर हवाई निगरानी बढ़ाने के लिए 12 नए सर्विलांस विमान तैयार करने पर विचार किया जा रहा है। ये एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट होंगे। इससे चीन और पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन में वायुसेना के फाइटर जेट को मदद मिलेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, डीआरडीओ और भारतीय वायुसेना 6 अवाक्स सिस्टम से लैस मार्क-1 विमान तैयार करेगा। इसके लिए रक्षा मंत्रालय अगले हफ्ते आवश्यकता का स्वीकृति पत्र (एओएन भी जारी करेगा। इसके बाद 6 अवाक्स सिस्टम से लैस मार्क-2 विमान तैयार किए जाएंगे। मार्क-1 अवाक्स एयरक्राफ्ट की रेंज 240 डिग्री होगी। वहीं, मार्क-2 एयरक्राफ्ट पर लगे रडार की रेंज 300 डिग्री तक होगी। मार्क-2 विमान 2026-27 तक तैयार होकर वायुसेना में शामिल होंगे। भारत के पास निगरानी के लिए पहले से ही 3 अवाक्स एयरक्राफ्ट है, जिसे नेत्र एयरक्राफ्ट भी कहा जाता है। हवाई निगरानी के लिए पाकिस्तान के पास फिलहाल 11 स्वीडिश अवाक्स एयरक्राफ्ट और एक चीनी काराकोराम ईगल अवाक्स एयरक्राफ्ट है। वहीं, चीन के पास ऐसे 30 एयरक्राफ्ट हैं।

6 प्लेन 300 डिग्री तक कवर करेंगे, पाक के पास 11, चीन के पास 30 निगरानी एयरक्राफ्ट

क्यों पड़ी नए एयरक्राफ्ट की जरूरत

भारत फिलहाल पाक-चीन से अवाक्स के मामले पिछड़ रहा है। हवाई निगरानी के लिए भारत के पास 3 अवाक्स एयरक्राफ्ट है। इसके अलावा तीन रशियन आईएल-76 एयरक्राफ्ट है, जिस पर इजराइली फाल्कन अवाक्स सिस्टम लगा हुआ है। इन विमानों की रेंज 400 किमी है और इनका रडार कवरेज 360 डिग्री है। इन्हें 2009-10 में वायुसेना में शामिल किया गया था। वायुसेना ने निगरानी करने वाले एयरक्राफ्ट की जरूरत सबसे फरवरी 2019 में बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान महसूस की थी।

जम्मू-कश्मीर की युवती शादी करने पाकिस्तान गई, युवक का इनकार

परिवार ने लापता का मामला दर्ज कराया

पुंछ। जम्मू के पुंछ जिले की 22 साल की एक युवती ने वॉट्सऐप पर परिचित एक युवक से शादी करने के लिए बॉर्डर क्रॉस किया। वह अपनी दो बेटियों को लेकर पा कपहुंच गई, लेकिन उसके पहुंचने के बाद युवक ने शादी से इनकार कर दिया। महिला के परिवार ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई तो पुलिस की इंवेस्टिगेशन में मामला सामने आया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि महिला का नाम शबनम है और उसकी पुंछ के सलतोरी में रहने वाले गुलाम नबी से शादी हो चुकी है। वह पुंछ जिले के ही खादी करमाडा इलाके में रहती थी, जो कि लाइन ऑफ कंट्रोल के पास है। महिला की दो बेटियां हैं, एक 4 साल की और दूसरी 1.5 साल की है। इससे पूर्व भी प्यार व शादी के लिए बॉर्डर क्रॉस करने के मामले सामने आ चुके हैं। 2023 पाक महिला दिल्ली निवासी सवक से शादी के लिए बॉर्डर क्रॉस कर भारत आई।

चाचा-चाची के जरिए युवक से कॉन्टैक्ट था

पुलिस ने जानकारी दी कि महिला के पाकिस्तान में तीन चाचा और एक चाची हैं। वह वॉट्सऐप कॉल पर उनके जरिए एक युवक से कॉन्टैक्ट में थी, जिसने उससे शादी करने का वादा किया था। महिला उस युवक से शादी करने के लिए पुंछ के रंगार नाला इलाके से पाकिस्तान चली गई, लेकिन जब वह युवक से मिली तो उसने इससे इनकार कर दिया।

दिल्ली के युवक के लिए पाकिस्तान से आई थी सीमाः 13 मई 2023 को पाकिस्तान की रहने वाली सीमा हैदर ने दिी के एक युवक सचिन से शादी के लिए बॉर्डर कास की थी।

पाकिस्तान बोला- भारत मुल्क में घुसकर हमारे नागरिक मार रहा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने कहा- भारत हमारी जमीन पर आतंक बढ़ा रहा है। वे अब इस हद तक आ गए हैं कि मुल्क में घुसकर पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या कर रहे हैं। भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन उसकी आदत बनती जा रही है। इसके खिलाफ अब कई देश आवाज भी उठा रहे हैं। हम अपने नागरिकों की रक्षा के लिए उनकी इन साजिशों को लगातार नाकाम करते रहेंगे। दरअसल, सोमवार को पाकिस्तान में कश्मीर एकजुटता दिवस मनाया गया। इस दौरान आर्मी चीफ भारत-पाकिस्तान बॉर्डर लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पहुंचे।

पंजाब में बीएसएफ ने पकड़े दो घुसपैठिए

अमृतसर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 24 घंटों के अंदर दो अलग-अलग घटनाओं में पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर दो घुसपैठियों को पकड़ा है। इनमें से एक अफगानिस्तान का रहने वाला है। जबकि, दूसरा पाकिस्तान से भारतीय सीमा में पहुंचा नाबालिग है, जो पेपरों में फेल होने के डर से भारतीय सीमा में आ गया। फिलहाल, दोनों को पकड़ जांच शुरू कर दी गई है। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के जनसंपर्क अधिकारी ने बयान में बताया कि तरनतारन जिले के एक गांव में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गश्त कर रहे ब्रस्स्र के जवानों ने एक युवक को पकड़ा। पकड़ने के बाद उससे पूछताछ शुरू की गई। आरोपी की पहचान अबू बकर के रूप में हुई और कहा कि वह 16 साल का है।

सोनिया से बोले सीएम- तेलंगाना से चुनाव लड़े

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस प्रेसिडेंट रेवंत रेड्डी ने सोमवार को सोनिया गांधी से अपील की कि वे तेलंगाना से लोकसभा चुनाव लड़ें। रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के लोग सोनिया गांधी को मां के रूप में देखते हैं, जिसने तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिलाया। इसे लेकर सोनिया गांधी ने कहा कि सही समय आने पर वे इसका फैसला लेंगीं। रेवंत रेड्डी दिल्ली में सोनिया से मिले, जहां उन्होंने बताया कि तेलंगाना कांग्रेस ने इस रिक्वेस्ट को लेकर एक रिजॉल्यूशन भी पास किया है।

राज्य के लोग आपको मां मानते हैं, सोनिया बोलीं- सही वक्त पर फैसला लूंगी

रेड्डी ने चुनावी वादों के बारे में अपडेट दिया : रेवंत रेड्डी ने सोनिया गांधी को विस चुनाव के दौरान किए वादों के बारे में बताया, जिन्हें उनकी सरकार लागू कर चुकी है। कांग्रेस ने चुनाव के लिए 6 गारंटियां दी थीं, जिनमें से राज्य ट्रांसपोर्ट बसों में महिलाओं के लिए फ्री ट्रैवल और गरीबों के लिए 10 लाख रुपए तक की हेल्थ स्कीम को लागू किया जा चुका है। इसके अलावा दो और वादों- 500 रुपए में सिलेंडर मुहैया करवाना और 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना को जल्द लागू करने का फैसला लिया जा चुका है। उन्होंने सोनिया गांधी को ये भी बताया कि सरकार ने जातिगत जनगणना करवाने का फैसला लिया है ।

सऊदी अरब में हुई ऐतिहासिक खोज, मिलीं कई बेशकीमती चीजें, इस्लाम के लिए भी अहम

नई दिल्ली। सऊदी अरब के जेद्दा में इस्लामी खलीफा युग से संबंधित बड़ी खोज की गई है। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की तरफ से शुरू किए गए ऐतिहासिक जेद्दा पुनरुद्धार कार्यक्रम के तहत यह खोज हुई है जिसमें विभिन्न कलाकृतियों के लगभग 25,000 टुकड़े मिले हैं। सऊदी अरब की सरकारी प्रेस एजेंसी, सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया कि जेद्दा ऐतिहासिक जिला कार्यक्रम ने सऊदी अरब के विरासत आयोग के साथ मिलकर इस्लामी हिजरी कैलेंडर की पहली दो शताब्दियों- सातवीं से आठवीं शताब्दी के समय की इस खोज की घोषणा की है। जेद्दा पुनरुद्धार कार्यक्रम जनवरी 2020 में शुरू किया गया था जिसका लक्ष्य जेद्दा के चार अहम क्षेत्रों का भौगोलिक सर्वेक्षण कर उनके ऐतिहासिक महत्व को सामने लाना है। ये चार साइट्स हैं- ओतमान बिन अफ्फान मस्जिद, अल शोना, जेद्दा के उत्तरी दीवार का एक हिस्सा और अल किदवा।

अब यूरोपीय देशों के कॉन्सुलेट्स ने फिल्म डंकी देखने की जताई इच्छा

मुंबई। फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी अब भी छाई हुई है। इस फिल्म का असर वाकई दुनिया भर में देखा जा सकता है। अपनी बेहद दिल छू लेने और लोगों के साथ कनेक्ट करने वाली कहानी के साथ इस फिल्म ने हर किसी के दिल में एक अलग जगह बनाई हैं। वहीं फिल्म ने फैमिली ऑडियंस का भी खूब प्यार हासिल किया और सभी आयु वर्ग के दर्शक भी इससे प्रभावित नजर आए। अब खबरें है कि यूरोपीय देशों के कॉन्सुलेट्स ने इस फिल्म को देखने की इच्छा जताई है।

Filmiतड़का

जर्नी में नाना पाटेकर के साथ काम करना शानदार अनुभव : भक्ति राठौड़

मुंबई। अभिनेत्री भक्ति राठौड़ का कहना है कि फिल्म जर्नी में नाना पाटेकर के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा है। अनिल शर्मा निर्देशित -निर्मित, जर्नी में नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा, राजेश शर्मा, अश्विनी कालसेकर, राजपाल यादव जैसे कई कलाकार हैं। इस फिल्म में भक्ति राठौड़ ने नाना पाटेकर की सबसे बड़ी बहू मंजरी का किरदार निभाया है। फिल्म का पहला शेड्यूल बनारस के हर में शूट किया गया था, और अब, टीम दूसरा शेड्यूल हिमाचल प्रदेश में कर रही है।

हिमाचल में चल रहा दूसरा शेड्यूल

नाना पाटेकर के साथ काम करने को लेकर भक्ति राठौड़ ने कहा,नाना सर के साथ काम करना बहुत स्वाभाविक लगता है। उनके साथ दृश्य करना बहुत आसान है।

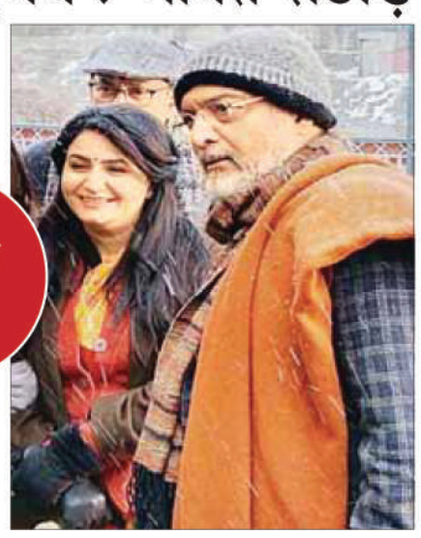

म्यांमार से सटी 1643 किमी लंबी सीमा पर बाड़बंदी करवाएगी केंद्र सरकारः शाह

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने म्यांमार से सटी 1643 किमी लंबी सीमा पर बाड़बंदी करवाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे सीमा पर बेहतर सर्विलांस, पेट्रोलिंग और ट्रैकिंग की जा सकेगी। मणिपुर के मोरेह में 10 किमी लंबी सीमा की बाड़बंदी की जा चुकी है।

शाह ने बताया कि हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम (एचएसएस) के जरिए बाड़बंदी के दो पायलट प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में एक किमी लंबी सीमा को इसके तहत बाड़बंद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर में 20 किमी लंबी बाड़बंदी को मंजूरी मिल गई है और इस पर जल्द काम शुरू हो जाएगा। बाड़बंदी की ये घोषणा ऐसे समय में हुई है जब पिछले कई महीनों से मणिपुर में हिंसा जारी है।

संक्षिप्त खबरें

एक्सिस एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स फंड लांच

मुंबई। भारत में सबसे तेज़ी से वृद्धि दर्ज करते फंड हाउसों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने अपने नए फंड आफर एक्सिस एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स फंड के लांच की घोषणा की है। इस फंड का प्रबंधन, फंड मैनेजर कार्तिक कुमार और आशीष नाइक करेंगे। यह नया फंड एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स टीआरआई बेंचमार्क को ट्रैक करेगा। इसमें न्यूनतम निवेश 500 रुपये है। एक्सिस एएमसी के एमडी एवं सीईओ बी. गोपकुमार ने कहा, 'निष्क्रिय निवेश की रणनीतियों की बढ़ती स्वीकार्यता को देखते हुए हम ऐसा निवेश विकल्प प्रदान करने की ज़रूरत को समझते हैं, जो आज के निवेशकों की उभरती प्राथमिकताओं के अनुरूप हो।

पैकेजिंग को कम करने पर ध्यान दे रही अमेजन

नई दिल्ली। अमेज़न इंडिया के फुलफिलमेंट नेटवर्क से ग्राहकों के करीब आधे आर्डर अब कम पैकेजिंग में भेजे जा रहे हैं। कंपनी अब अपना ध्यान कम से कम पैकेजिंग पर दे रही है। अमेज़न इंडिया के उपाध्यक्ष, परिचालन, अभिनव सिंह ने कहा कि अब भारत में लगभग आधे ग्राहक ऑर्डर उसके फुलफिलमेंट नेटवर्क से उनकी मूल पैकेजिंग या कम पैकेजिंग के साथ में भेजे जाते हैं। मूल पैकेजिंग में अमेज़न की ओर से बस एक एड्रेस लेबल जोड़ा जाता है। पैकेजिंग को कम करने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता के अंग के रूप में, अमेज़न रियूज़ेबल क्रेट या कोर्यूगेटेड बॉक्स में एक से अधिक शिपमेंट की आपूर्ति कर, एकल शिपमेंट में अपनी पैकेजिंग जोड़ने से बचती है।

बीएलएस के शेयर 129% उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड के शेयर 135 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 129 प्रतिशत के उछाल के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 128.88 प्रतिशत चढ़कर 309 रुपये पर शुरुआत की। बाद में 157.70 प्रतिशत बढ़कर 347.90 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर ये 125.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 305 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,919.22 करोड़ रुपये रहा। बीएलएस के आईपीओ को 162.48 गुना अभिदान मिला था। 2,30,30,000 तक के इक्विटी शेयर के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 129-135 रुपये प्रति शेयर था।

10 करोड़ रुपये रहा टीवीएस सप्लाई चेन का शुद्ध लाभ

चेन्नई। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 10 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही में मुनाफा 17.2 करोड़ रुपये था। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस लिमिटेड के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में उसकी परिचालन आय घटकर 2,221.8 करोड़ रुपये रही, जो पिछले 2022 की समान अवधि में 2,373.4 रुपये थी। चालू वित्त वर्ष के 31 दिसंबर 2023 को समाप्त पहले नौ महीने में कंपनी को शुद्ध घाटा 63.10 करोड़ रुपये, जबकि कर पश्चात लाभ 57.02 करोड़ रुपये रहा। यह जानकारी कंपनी के एमडी रवि विश्वनाथन ने दी।

तीन सत्रों में गिरावट के बाद संभले पेटीएम के शेयर

नई दिल्ली। पेटीएम ब्रांड का मालिकाना हक रखने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयर में तीन सत्र में भारी गिरावट के बाद मंगलवार को तेजी आई। कारोबार की कमजोर शुरुआत के बावजूद बीएसई पर शेयर 7.79 प्रतिशत चढ़कर 472.50 रुपये पर रहे। एनएसई पर ये 7.99 प्रतिशत की बढत के साथ 473.55 रुपये पर पहुंच गए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड साधन, वॉलेट एवं फास्टैग में 29 फरवरी 2024 के बाद जमा या टॉप-अप स्वीकार न करने का गत बुधवार को निर्देश दिया था। इसके बाद से कंपनी के शेयर में लगातार गिरावट आ रही थी।(एजेंसियां)

हेल्थ और फाइनेंस

अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कार्प की ताजा रिपोर्ट

लोगों की शीर्ष प्राथमिकता

देश के लोगों के लिए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ व्यक्तिगत वित्त इस साल शीर्ष प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं। वैश्विक एकीकृत भुगतान कंपनी अमेरिकन एक्सप्रेस के सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह कहा गया है

- दुनिया के लोग हेल्थ व पर्सनल फाइनेंस को लेकर गंभीर
- ज्यादातर का ध्यान हेल्दी रहते हुए बचत/निवेश बढ़ाने पर
- मेन्टल हेल्थ को लेकर काफी सजग हैं दुनियाभर के लोग
- सिंगल यूज प्रोडक्ट के इस्तेमाल से बचना चाहते हैं लोग

कब हुआ सर्वेक्षण

यह सर्वेक्षण छह दिसंबर से 20 दिसंबर, 2023 के बीच अमेरिकी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन, जापान, मेक्सिको और भारतीय लोगों बीच 'ऑनलाइन' किया गया। इसमें 6,700 से अधिक लोगों को शामिल किया गया।

भारतीय और वैश्विक प्रतिभागी नए साल के संकल्पों में अपनी शारीरिक सेहत को लेकर गंभीर हैं। ज्यादातर भारतीय और विदेशी नागरिकों ने इसे प्राथमिकता वाला क्षेत्र बताते हैं। 69 प्रतिशत भारतीय व्यक्तिगत वित्त के लक्ष्यों को लेकर गंभीर हैं।

संजय खन्ना, सीईओ
अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कार्प

76 फीसद लोग स्वास्थ्य को देना चाहते हैं प्राथमिकता

69 फीसद भारतीयों के लिए पर्सनल फाइनेंस भी अहम

73 फीसद लोग हेल्थी फूड पर देंगे ज्यादा ध्यान

51 फीसद लोग खरीदना चाहते हैं कसरत मशीन

81 फीसद लोग बढ़ाना चाहते हैं अपनी सेविंग

75 फीसद लोग अपने निवेश में चाहते हैं बढ़ोतरी

स्रोत : भाषा

कतर से हुआ $78 अरब का LNG आयात करार

■ करार के तहत मौजूदा कीमत से कम पर 2048 तक होगी एलएनजी आपूर्ति

■ भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आयात सौदा, 6 अरब डालर की होगी बचत

बेतुल (गोवा)।

भारत ने मंगलवार को कतर से 20 साल के लिए तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात को लेकर अबतक का सबसे बड़ा 78 अरब डॉलर का समझौता किया। यह समझौता वर्तमान कीमत से कम भाव पर 2048 तक के लिए किया गया है जिससे अनुबंध अवधि के दौरान छह अरब डॉलर की बचत होने का अनुमान है।

भारत की सबसे बड़ी एलएनजी आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लि. ने बयान में कहा कि उसने यहां भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान कतर एनर्जी के साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक बनाने और सीएनजी में परिवर्तित करने के लिए प्रति वर्ष 75 लाख टन गैस खरीदने के समझौते का विस्तार करने को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर किए है। सूत्रों ने कहा कि सौदे का नवीनीकरण मौजूदा समझौते के मुकाबले उल्लेखनीय रूप से कम दाम पर किया गया है। नई शर्तों के तहत वर्तमान भाव पर भारत को 0.8 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (यूनिट) की बचत होगी। इससे अनुबंध अवधि के दौरान कुल मिलाकर छह अरब डॉलर की बचत होगी। रासगैस के साथ 1999 का सौदा पहला अनुबंध था जिसपर भारत ने क्रायोजेनिक जहाजों में तरल रूप में गैस के आयात के लिए हस्ताक्षर किये थे। 25-वर्षीय सौदे के तहत आपूर्ति 2004 में शुरू हुई और अनुबंध 2008 में समाप्त होना था। रासगैस का अब कतर एनर्जी में विलय हो गया है।

■ सौदे का नवीनीकरण मौजूदा समझौते के मुकाबले उल्लेखनीय रूप से कम दाम पर किया गया है

भारत ने कतर सौदे के बाद ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और रूस से एलएनजी खरीदने के समझौते पर हस्ताक्षर किए। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी निर्यातक कतर, 2027 तक अपनी 'लिक्विफिकेशन' क्षमता को 7.7 करोड़ टन से बढाकर 12.6 करोड़ टन प्रति वर्ष करने की योजना बना रहा है। इस लिहाज से भारत के साथ समझौते का नवीनीकरण उसके लिए महत्वपूर्ण है। पेट्रोनेट वर्तमान में दो अनुबंधों के तहत कतर से प्रति वर्ष 85 लाख टन एलएनजी का आयात करती है। पहला 25 साल का समझौता 2028 में समाप्त होना है और अब इसे 20 साल के लिए बढा दिया गया है। 2015 में किये गये 10 लाख टन प्रति वर्ष के दूसरे समझौते पर अलग से बातचीत की जाएगी। 1999 में 75 लाख टन के सौदे के अनुसार, आपूर्ति अवधि समाप्त होने से पांच साल पहले नवीनीकरण पर सहमति होनी थी। इसकी समय सीमा दिसम्बर, 2023 थी।

75 लाख सालाना टन LNG का हुआ समझौता

बेतुल। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने ट्विटर पर लिखा है, 'मुझे एलएनजी बिक्री और खरीद समझौते (एलएनजी एसपीए) को लेकर दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए ऊर्जा मामलों के राज्यमंत्री और कतर एनर्जी के डिप्टी चेयरमैन और अध्यक्ष तथा सीईओ साद शेरिदा अल-काबी के साथ मिलकर काफी खुशी हुई। पेट्रोनेट एलएनजी लि. और कतर एनर्जी के बीच लगभग 75 लाख सालाना टन एलएनजी की खरीद को लेकर समझौता हुआ है। यह अनुबंध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा को गति प्रदान करेगा। भारत 2030 तक ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों में गैस की हिस्सेदारी छह प्रतिशत से बढाकर 15 प्रतिशत करके गैस आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हो रहा है।'

आर्टेमिस का कर पश्चात लाभ 12.5 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। (वि)। आर्टेमिस मेडिकेयर सर्विसेज लिमिटेड (आर्टेमिस) ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) सालाना आधार पर 12.5 प्रतिशत बढ़कर 11.6 करोड़ रुपए रहा। बीती तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड ग्रॉस रेवेन्यू भी पिछले साल की तुलना में 15.5 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का कंसोलिडेटेड ग्रॉस रेवेन्यू (समेकित सकल राजस्व) 228.7 करोड़ रुपए रहा। कंपनी दिल्ली-एनसीआर में कुल 713 बेड का संचालन करती है। इनमें से 541 बेड क्वाटर्नरी केयर के है। गुरुग्राम में एक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के अलावा कंपनी आर्टेमिस लाइट और डेफोडिल्स ब्रांड के अंतर्गत 5 अस्पतालों का संचालन करती है। इसके अतिरिक्त फिलिप्स के साथ जॉइंट वेंचर के रूप में आर्टेमिस कार्डियक केयर ब्रांड के तहत 8 केंद्रों का संचालन करती है। यह जानकारी आर्टेमिस मेडिकेयर सर्विसेज लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. देवलीना चक्रवर्ती ने दी। बीती तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में कंपनी का शुद्ध परिचालन राजस्व (नेट रेवेन्यू फ्रॉम ऑपरेशंस) 218.8 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समीक्षाधीन तिमाही के 187.5 करोड़ रुपये की तुलना में इसमें 16.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एलआईसी एमएफ के एमडी एवं सीईओ बने ने रवि

मुंबई (भाषा)।

बीमा एवं म्यूचुअल फंड की प्रमुख कंपनी एलआईसी म्यूचुअल फंड एसेट मैनेजमेंट ने मंगलवार को रवि कुमार झा को कंपनी का नया प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की।

झा ने एलआईसी के साथ 30 साल से अधिक समय तक काम किया है और विभिन्न पदों को संभाला है। वह दिसम्बर, 2023 तक कंपनी में कॉरपोरेट रणनीति मामलों के कार्यकारी के रूप में कार्यरत थे। झा ने रांची विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री हासिल की हुई है।

तीन कंपनियों के IPO आज खुलेंगे

नई दिल्ली (भाषा)।

तीन कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बुधवार को खुलने वाले हैं, जिनके जरिये सम्मिलित रूप से करीब 1,700 करोड़ रुपये जुटाए जाने की उम्मीद है।

राशि पेरिफेरल्स, जन स्माल फाइनेंस बैंक और कैपिटल स्माल फाइनेंस बैंक के आईपीओ बुधवार को खुलेंगे। इन तीनों कंपनियों का आईपीओ नौ फरवरी को बंद होगा। इसके अलावा एंटेरो हेल्थकेयर सॉल्यूशंस भी नौ फरवरी को अपनी 1,600 करोड़ रुपये की शुरुआती शेयर-बिक्री शुरू करेगी। इस बीच होटल शृंखला 'द पार्क' का संचालन करने वाली कंपनी एपीजे सुरेंद्र पार्क का 920 करोड़ रुपये का आईपीओ इस समय अभिदान के लिए खुला हुआ है।

पिछले महीने भी पांच कंपनियों ने अपने निर्गमों के जरिये प्राथमिक बाजार से लगभग 3,266 करोड़ रुपये जुटाए थे। बाजार विशेषज्ञों ने 2024 में आईपीओ बाजार को लेकर मजबूती का नजरिया अपनाया हुआ है। कंपनियों को तरलता से भरपूर इक्विटी बाजार से लाभ होने की उम्मीद है।

जेएम फाइनेंशियल की प्रबंध निदेशक और इक्विटी पूंजी बाजार प्रमुख नेहा अग्रवाल ने कहा, ''हम वर्ष 2024 में आईपीओ बाजार पर एक मजबूत तेजी का रुख रखते हैं। यह आशावाद मजबूत घरेलू एवं विदेशी निवेश से प्रेरित है।' इसी क्रम में बुधवार को खुलने वाले तीन निर्गम भी शामिल हैं। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उत्पाद वितरक राशि पेरिफेरल्स का आईपीओ पूरी तरह से 600 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयरों वाला है। इसके लिए मूल्य दायरा 295-311 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

जन स्मॉल फाइनेंस बैंक के निर्गम में 462 करोड़ रुपये की प्राथमिक शेयर बिक्री और शेष 108 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इसके 570 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 393-414 रुपये तय किया गया है। कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक का आईपीओ 523 करोड़ रुपये का है जिसमें 450 करोड़ रुपये के नए शेयर और 73 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल है। बैंक ने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 445-468 रुपये प्रति शेयर तय किया है। पिछले साल 58 सार्वजनिक निर्गमों के जरिये कुल 52,637 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

एचडीएफसी बैंक समूह को छह बैंकों में हिस्सेदारी

नई दिल्ली (भाषा)।

एचडीएफसी बैंक समूह को आरबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक सहित छह बैंक में 9.5-9.5 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पांच फरवरी 2024 को इसकी मंजूरी दी। एचडीएफसी बैंक समूह के अंतर्गत आने वाली संस्थाएं एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी और अन्य हैं। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, 'एचडीएफसी बैंक (समूह के प्रवर्तक/प्रायोजक के रूप में) द्वारा आरबीआई को 18 दिसम्बर 2023 को किए गए आवेदनों के तहत मंजूरी दी गई है।'

एचडीएफसी जिन छह बैंक में हिस्सेदारी लेगा वे एक्सिस बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बंधन बैंक, यस बैंक और इंडसइंड बैंक हैं।

मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

रेपो दरों में किसी तरह के बदलाव की उम्मीद नहीं

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा बैठक मंगलवार को शुरू हो गई। खुदरा मुद्रास्फीति के उच्चस्तर पर बने रहने के बीच अल्पकालिक ऋण दरों पर यथास्थिति बने रहने की संभावना जताई जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने करीब एक साल से अल्पकालिक ऋण दर यानी रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा हुआ है। वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से बढ़ी महंगाई पर काबू पाने के लिए मानक ब्याज दर में आखिरी बार बढ़ोतरी फरवरी, 2023 में हुई थी जब इसे 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया था।

खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई, 2023 में 7.44 प्रतिशत के उच्चस्तर पर पहुंच गई थी लेकिन उसके बाद से इसमें गिरावट आई है। दिसम्बर, 2023 में खुदरा मुद्रास्फीति 5.69 प्रतिशत पर आ गई जो आरबीआई के संतोषजनक स्तर चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) के भीतर ही है। आरबीआई गवर्नर नीतिगत ब्याज दर के संबंध में एमपीसी के स्तर पर लिए गए फैसले से बृहस्पतिवार सुबह को अवगत कराएंगे। एमपीसी ने मई, 2022 से लेकर फरवरी, 2023 तक रेपो दर में कुल मिलाकर 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। लेकिन उसके बाद से यह लगातार स्थिर बनी हुई है। इस समिति में तीन बाहरी सदस्य और आरबीआई के तीन अधिकारी शामिल हैं। पैनल में बाहरी सदस्य शशांक भिडे, आशिमा गोयल और जयंत आर वर्मा हैं। गवर्नर दास के अलावा डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन भी इसके सदस्य हैं।

रणनीतिक तेल भंडारण क्षेत्र पट्टे पर देगा भारत

■ भारत ने इस क्षेत्र के कुछ हिस्से भरने की योजना छोड़ी

बेतुल (गोवा), (भाषा)।

सरकार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को रणनीतिक तेल भंडारण के लिए बनाए गए भूमिगत क्षेत्र पट्टे पर देगी। रणनीतिक तेल भंडार के कुछ हिस्सों को भरने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की योजना को छोड़ने के साथ यह निर्णय किया गया है। एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

रणनीतिक भूमिगत कच्चे तेल के भंडारण के लिए बनाई गई विशेष उद्देश्यीय इकाई इंडिया स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लि. (आईएसपीआरएल) ने 53.3 लाख टन तेल भंडारण के लिए आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और कर्नाटक के मैंगलोर तथा पादुर में भूमिगत भंडारण बनाए हैं। इनका उपयोग आपूर्ति में समस्या या युद्ध जैसी किसी भी आपातकालीन स्थिति में किया जा सकता है। आईएसपीआरएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक एलआर जैन ने भारत ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि यूएई की अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडनॉक) ने पहले ही पादुर में 25 लाख टन भंडारण क्षमता का आधा और मैंगलोर में 15 लाख टन की सुविधा किराए पर ली है।

पादुर में शेष 12.5 लाख टन को आईएसपीआरएल ने भरा है, जबकि मैंगलोर में 7.5 लाख टन खाली भंडारण को पट्टे पर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशाखापत्तनम में निर्मित 13.3 लाख टन भंडारण में से, 3.3 लाख टन जगह हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के लिए बनाई गई थी। एचपीसीएल ने शेष तीन लाख टन से अधिक जगह किराये पर ली है और भंडारण के लिए शेष जगह को पट्टे पर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम जल्द ही भंडारण क्षेत्र को पट्टे पर देने के लिए रुचि पत्र जारी करेंगे।'

सरकार ने 2023-24 के बजट में रणनीतिक रूप से ईंधन रखने के लिए बनाई गई जगहों को भरने को लेकर 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किये थे। लेकिन वर्ष के मध्य तक उस योजना को स्थगित कर दिया गया।

चावल उद्योग में प्रतिस्पर्धा की जांच की मांग

वाशिंगटन (भाषा)।

अमेरिका में एक शक्तिशाली कांग्रेस समिति के प्रमुख ने वैश्विक स्तर पर चावल उद्योग में प्रतिस्पर्धा की जांच करने और एक रिपोर्ट तैयार करने का आग्रह किया है।

रिपब्लिकन सांसद जेसन स्मिथ ने कहा कि अमेरिका, चीन, भारत, बांग्लादेश, ब्राजील और पाकिस्तान सहित प्रमुख वैश्विक चावल उत्पादक तथा निर्यातक देशों के हालिया कदमों के संदर्भ में इसकी आवश्यकता है। स्मिथ ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग के चेयरमैन डेविड जोहानसन को लिखे एक पत्र में कहा कि सांसदों को ऐसी नीतियों को लागू करने के लिए वैश्विक चावल बाजार की अद्यतन समीक्षा तथा विश्लेषण की आवश्यकता है।

एफएमसीजी क्षेत्र 6.4 फीसद बढ़ा

■ शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की खपत के फासले में भी आई है कुछ कमी

नई दिल्ली (भाषा)।

दैनिक उपभोग के सामान (एफएमसीजी) से संबंधित उद्योग का आकार अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 6.4 प्रतिशत बढ गया। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। एनालिटिक्स फर्म नील्सनआईक्यू ने एक रिपोर्ट में कहा कि शहरी एवं ग्रामीण दोनों बाजारों में खपत बढ़ने से एफएमसीजी उद्योग का विस्तार हुआ है। इसके साथ ही शहरी एवं ग्रामीण बाजारों में खपत का फासला कम होने की बात भी कही गई है।

रिपोर्ट कहती है कि दिसम्बर तिमाही में अधिक मात्रा और ग्रामीण बाजारों में सुधार से एफएमसीजी उद्योग को मूल्य के संदर्भ में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने में मदद मिली। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय एफएमसीजी उद्योग वर्ष 2024 में क्षेत्र और भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के दम पर 4.5 प्रतिशत से लेकर 6.5 प्रतिशत के बीच वृद्धि कर सकता है। हालांकि, जुलाई-सितम्बर तिमाही की तुलना में दिसम्बर तिमाही में एफएमसीजी क्षेत्र की खपत में कमी आई जिससे इसकी बिक्री वृद्धि में गिरावट दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में खपत घटी है लेकिन शहरी बाजारों में गिरावट अधिक स्पष्ट है। बहरहाल सालाना आधार पर दिसंबर तिमाही में एफएमसीजी उद्योग की खपत शहरी बाजार में 6.8 प्रतिशत और ग्रामीण बाजार में 5.8 प्रतिशत बढ़ी है।

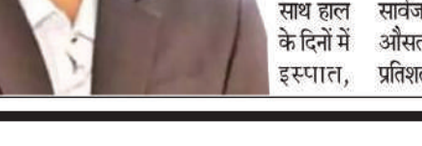

एनआईक्यू के प्रमुख (कस्टमर सक्सेस-भारत) रूजवेल्ट डिसूजा ने कहा, '2023 में पहली बार शहरी और ग्रामीण बाजारों के बीच उपभोग का अंतर घटा है।

अर्थव्यवस्था में लौटा है निवेशकों का भरोसा

■ सीईए अनंत नागेश्वरन ने कहा, निजी क्षेत्र के निवेश में आ रही तेजी से मिले इसके संकेत

नई दिल्ली (भाषा)।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर निवेशकों का भरोसा लौटा है और यह बात निजी क्षेत्र में निवेश में आ रही तेजी से पता चलती है।

नागेश्वरन ने विशेष बातचीत में कहा, 'यह (भरोसा) वापस आ गया है। अगर ऐसा नहीं होता तो कैसे भारतीय अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से वृद्धि हासिल करती। आप अगर विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में खरीद प्रबंधक सूचकांक (परचेजिंग मैनेजेर इंडेक्स) को देखें, विस्तार और गिरावट को देखें, शेयर बाजार के प्रदर्शन को देखें, यह पता चलता है।' उन्होंने कहा कि यह जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के आंकड़ों में भी दिख रहा है।

नागेश्वरन ने भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र में सूचीबद्ध कंपनियां अपने पूंजीगत व्यय और नई परियोजनाओं की घोषणा में तेजी ला रही हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी अपने अंतरिम बजट में कहा है कि निजी निवेश हो रहा है।

उन्होंने 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा, 'अब निजी निवेश बड़े पैमाने पर हो रहा है। इससे केंद्र सरकार की कम उधारी से निजी क्षेत्र के लिए कर्ज की अधिक उपलब्धता होगी।' अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ हाल के दिनों में इस्पात, सीमेंट और पेट्रोलियम जैसे कुछ क्षेत्रों में निजी निवेश में तेजी आई है। नागेश्वरन ने कहा, 'यह मानते हुए कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, कॉरपोरेट और बैंक दोनों क्षेत्रों के बही-खातों में अधिक जोखिम लेने की गुंजाइश है।'

कंपनियों ने कोविड-19 अवधि से पहले और उसके दौरान अपने अपने कर्ज को कम किया है ताकि उनके पास विस्तार के लिए कर्ज लेने की क्षमता हो। साथ ही, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लिए औसत पूंजी पर्याप्तता अनुपात लगभग 15 प्रतिशत है।

टी20 वर्ल्डकप के बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी टीम इंडिया

6 से 14 जुलाई तक पांच मैचों की टी-20 सीरीज में लेगी हिस्सा

शेड्यूल

- पहला टी20 मैच 6 जुलाई
- दूसरा टी20 मैच 7 जुलाई
- तीसरा टी20 मैच 10 जुलाई
- चौथा टी20 मैच 13 जुलाई
- पांचवां टी20 मैच 14 जुलाई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार ने घोषणा करते हुए बताया कि जिम्बाब्वे जुलाई में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत की मेजबानी करेगा।

यह सीरीज अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप 2024 के समाप्त होने के बाद खेली जाएगी। यह सीरीज 6 से 14 जुलाई 2024 तक हरारे में होने वाली है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच होने वाली टी20 सीरीज को लेकर जिम्बाब्वे के अध्यक्ष तवेंगवा मुकुहलानी ने कहा, हम जुलाई में टी-20 में श्रृंखला के लिए भारत की मेजबानी करने के लिए बिल्कुल रोमांचित हैं, जो इस साल घरेलू मैदान पर हमारा सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय आकर्षण होगा। भारत के प्रभाव और खेल के प्रति समर्पण से क्रिकेट के खेल को हमेशा बहुत फायदा हुआ है, और मैं एक बार फिर जिम्बाब्वे का दौरा करने के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए बीसीसीआई को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं पहली बार भारतीय टीम जिम्बाब्वे के

खिलाफ पांच मैच की टी20 सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि यह विश्व क्रिकेट में एक रोमांचक चरण है क्योंकि जिम्बाब्वे क्रिकेट पुनर्निर्माण कर रहा है।

31 ओवर के अंदर ही खत्म हो गया वनडे मैच

ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से किया कैरेबियाई टीम का सूपड़ा साफ

कैनबरा,(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 24.1 ओवर में 86 रन पर ऑलआउट हो गई। जबाव में ऑस्ट्रेलिया ने महज 6.5 ओवर में 2 विकेट पर 87 रन बनाकर 259 गेंद शेष रहते मुकाबला जीत लिया। यह ऑस्ट्रेलियाई टीम का 1,000वां वनडे

मैच रहा, जिसमें उन्होंने जोरदार जीत दर्ज की। 87 रनों के लक्ष्य को लेकर ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 अंदाज में बल्लेबाजी की शुरुआत की। यह ऑस्ट्रेलिया में अब तक खेला गया सबसे छोटा पुरुष एकदिवसीय मुकाबला है। जोकि 31 ओवर के अंदर ही खत्म हो गया। जेक फ्रेसर-मक्गर्क ने 18 गेंदों में 41 रन, जोश इंग्लिस ने 16 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाए। इससे पहले विंडीज के लिए ऐलेक ऐथनेज ने सर्वाधिक 32 रन बनाए। शेष आठ बल्लेबाज दहाई आंकडे तक भी नहीं पहुंच सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेवियर बार्टलेट ने चार विकेट लिए।

वनडे में शेष गेंद के लिहाज से सातवीं सबसे बड़ी जीत

ऑस्ट्रेलिया ने 259 गेंद शेष रहते यह वनडे मुकाबला जीता। एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा गेंद शेष रहने के लिहाज से यह सातवीं सबसे बड़ी जीत है। इसे पहले वर्ष 1979 में इंग्लैंड ने 277 गेंद रहते मैच जीता था। इसके बाद श्रीलंका ने वर्ष 2001 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 274 गेंद शेष रहते मुकाबला जीता था।

ब्रीफ न्यूज

नडाल और जोकोविच सऊदी अरब प्रदर्शनी टूर्नामेंट में खेलेंगे

रियाद, (एजेंसी)। राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, कार्लोस अल्कराज और ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर अक्टूबर में सऊदी अरब में एक प्रदर्शनी टूर्नामेंट में भाग लेंगे। इस आयोजन का नाम 6 किंग्स स्लैम है जिसमें डेनियल मेदवेदेव और होल्गर रूने भी चुनौती पेश करेंगे। इसका आयोजन रियाद में होगा।

श्रीवल्ली मुंबई ओपन के प्री-क्वार्टरफाइनल में

मुंबई,(एजेंसी)। भारत की श्रीवल्ली भामिदिपति ने उलटफेर करते हुए मुंबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में दूसरी वरीय जापान की नाओ हिबिनो को हराया। दुनिया की 520वें नंबर की खिलाड़ी श्रीवल्ली ने शीर्ष 100 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ पहली बार खेलते हुए दो घंटे और 17 मिनट में 2-6, 6-1, 7-6 से जीत दर्ज की। श्रीवल्ली प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए 16 साल की एलिना कोर्नीवा से भिड़ेंगी। एशियाई खेलों की मिश्रित युगल की स्वर्ण पदक विजेता रुतुजा भोंसले ने थाईलैंड की पींगटार्न प्लिपुएच को 6-4, 7-5 से हराया और एकल के दूसरे दौर में जगह बनाने वाली तीसरी भारतीय बनीं।

डब्ल्यूपीएल : माइकल क्विंलगर गुजरात के मुख्य कोच बने

बेंगलुरु,(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल क्विंलगर को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र से पहले गुजरात जाइंट्स टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। क्विंलगर गेंदबाजी कोच नूशिन अल खादीर तथा सलाहकार मिताली राज के साथ काम करेंगे। क्विंलगर की नियुक्ति को लेकर मिताली राज ने कहा, माइकल के साथ काम करने से गुजरात जाइंट्स के खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।

सचिन और सागर स्ट्रेंड्जा मेमोरियल के अंतिम-8 में

सोफिया,(एजेंसी)। पूर्व विश्व युवा चैंपियन सचिन और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता सागर ने मंगलवार को 75वें स्ट्रेंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सचिन (57 किग्रा) ने प्री क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान के फेजोव खुदोनजर को 3-2 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया जहां उनका सामना शुक्रवार को जॉर्जिया के केपेनाड्जे जियॉर्जी से होगा। सागर (92 किग्रा से अधिक) ने क्वार्टर फाइनल में सर्वसम्मत फैसले में लिथुआनिया के जेजेविसियस योनास को 5-0 से हराया। वह गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान के जोकिरोव जाखोनगिर से भिड़ेंगे। वंशज (63.5 किग्रा) को हालांकि कड़े मुकाबले में खंडित फैसले में ईरान के हबीबीनेजाद अली के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

अंडर-19 वर्ल्डकप : द.अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक जीत के साथ भारत फाइनल में

उदय और सचिन ने पलटा मैच का पासा

अब 11 को दूसरे सेमीफाइनल के विजेता पाक या ऑस्ट्रेलिया से होगा खिताबी मुकाबला

बेनोनी,(एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच कप्तान उदय सहारन की 81 रन और सचिन ढास 96 रन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारतीय टीम ने आईसीसी अंडर-19 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। जहां 11 फरवरी को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया या पाकिस्तान से हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गिलबर्ट प्रीटोरियस 76 रन और रिचर्ड सेलेट्सवेन 64 रनों की अर्धशतकीय पारी से 50 ओवर में सात विकेट खोकर 244 रन बनाए। जबाव में भारत ने 48.5 ओवर में 8 विकेट पर 248 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका अंडर-19	रन	गेंद	4/6
प्रीटोरियस कै. अभिषेक बो. मुशीर	76	102	6/3
स्टीव स्टॉक कै. अवनीश बो. लिंबानी	14	17	2/1
डेविड टीगर बो. लिंबानी	00	02	0/0
सेलेट्सवेन कै. मोलिया बो. तिवारी	64	100	4/2
ओलिवर व्हाइटहेड कै. ढास बो. मुशीर	22	34	4/0
डेवन मराय कै. अभिषेक बो. सौमी	03	07	0/0
जुआन जेम्स कै. अवनीश बो. लिंबानी	24	19	1/1
राइली नॉर्टन नाबाद	07	07	1/0
ट्रिस्टन नाबाद	23	12	1/2

अतिरिक्त: 11, **कुल:** 50 ओवर में 7 विकेट पर 244 रन, **विकेट पतन:** 1-23, 2-46, 3-118, 4-163, 5-174, 6-214, 7-220, **गेंदबाजी:** राज लिंबानी 9-0-60-3, नमन तिवारी 8-0-52-1, मुरुगन अभिषेक 4-0-14-0, अर्शीन कुलकर्णी 2-0-10-0, सौमी पांडे 10-0-38-1, मुशीर खान 10-1-43-2, प्रियांशु मोलिया 7-1-25-0.

भारत अंडर-19	रन	गेंद	4/6
आदर्श सिंह कै. प्रीटोरियन बो. मफाका	00	01	0/0
अर्शीन कुलकर्णी कै. जेम्स बो. ट्रिस्टन	12	30	0/1
मुशीर खान कै. जेम्स बो. ट्रिस्टन	04	12	0/0
उदय सहारन रन आउट	81	124	6/0
प्रियांशु कै. प्रीटोरियन बो. ट्रिस्टन	05	10	1/0
सचिन ढास कै. टीगर बो. मफाका	96	95	11/1
अवनीश कै. नॉर्टन बो. मफाका	10	18	1/0
मुरुगन अभिषेक रनआउट	00	01	0/0
राज लिंबानी नाबाद	13	04	1/1
नमन तिवारी नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 27, **कुल:** 48.5 ओवर में 8 विकेट पर 248 रन, **विकेट पतन:** 1-0, 2-8, 3-25, 4-32, 5-203, 6-226, 7-227, 8-244, **गेंदबाजी:** वेना मफाका 10-0-32-3, ट्रिस्टन 10-1-37-3, राइली नॉर्टन 9-0-53-0, कोबानी मोकोएना 7.5-0-45-0, स्टीव स्टॉक 2-0-18-0, जुआन जेम्स 8-0-44-0, ओलिवर व्हाइटहेड 2-0-17-0.

32 रन पर 4 विकेट गंवाने के बाद उदय और सचिन ने भारत को संभाला

245 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत बेहद खराब रही है। उसके चार शुरुआती बल्लेबाज आर्दश सिंह 00, मुशीर खान 4 रन, प्रियांशु मोलिया 5 रन और अर्शीन कुलकर्णी 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए है। एक समय भारत का स्कोर 12वें ओवर में चार विकेट पर 32 रन था। इसके बाद कप्तान उदय सहारन तथा सचिन ढास ने भारतीय पारी को संभाला और पांचवें विकेट लिए रिकॉर्ड 171 रनों की साझेदारी की। इसके बाद अरावेल्ली अवनीश 10 रन बनाकर, मुरुगन अभिषेक शून्य पर आउट हुए। राज लिंबानी 13 रन बनाकर नाबाद रहे। लिंबानी ने 49 ओवर की पांचवीं गेंद पर चौका मारकर भारत को जीत दिला दी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से ट्रिस्टन लुस ने तीन और वेना मफाका को तीन विकेट मिले।

भारत ने सर्वाधिक 5 बार जीता खिताब

बता दें कि भारतीय टीम ने अब तक सबसे ज्यादा 5 बार अंडर-19 वर्ल्ड कप खिताब जीते हैं। वहीं 3 बार उसे फाइनल में हार मिली है। इस तरह भारतीय टीम अब 9वीं बार फाइनल में पहुंची है। इससे पहले भारत साल 2000, 2006, 2008, 2012, 2016, 2018, 2020 और 2022 के फाइनल में पहुंचा था। भारतीय टीम साल 2010 और 2014 में क्रमशः छठे और 5वें स्थान पर रही थी, वहीं साल 1998 में टीम दूसरे दौर से बाहर हो गई थी। दूसरी ओर साउथ अफ्रीका एक ही बार 2014 में चैंपियन बना था।

5वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी

उदय और सचिन के बीच 171 रन की साझेदारी हुई, जोकि यूथ वनडे में 5वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी हैं। उन्होंने हदोय और शमीम हुसैन के 161 रन की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ा। वहीं यह यूथ वनडे में 5वें विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी साझेदारी भी हैं। इससे पहले सरफराज खान और रिकी भुई ने 159 रन की साझेदारी का थी।

स्वर्गीय हुकुम सिंह स्मृति दो दिवसीय क्रिकेट

एलबीएस ने अकीरा क्रिकेट अकादमी को 106 रन से हराया

भोपाल,(खेसं)। भोपाल संभाग क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित स्वर्गीय हुकुम सिंह ठाकुर स्मृति दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता (90 ओवर्स) में एलबीएस ने अकीरा क्रिकेट अकादमी को 106 रन से हराया।

शुरुआती दिन पहले बल्लेबाजी करते हुए एलबीएस की पूरी टीम 65 ओवर में 261 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाबी पारी खेलने उतरी अकीरा क्रिकेट अकादमी ने दिन का खेल खत्म होने तक 15 ओवर मे 2 विकेट खोकर 26 रन बना लिए थे। मंगलवार को दूसरे दिन गौरव पाटीदार ने 83 रन की पारी खेली लेकिन अकीरा की पूरी टीम 154 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। विवेक शर्मा ने 19 ओवर 35 रन देकर 5 विकेट लिए। सिद्धार्थ मिश्रा ने 28 रन देकर 4 विकेट लिए। विवेक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें पूर्व रणजी कप्तान बृजेश सिंह तोमर ओमी, बीडीसीए के उपाध्यक्ष अविनाश पाठक, एनआईएस कोच शैलेष शुक्ला व शिव नारायण शर्मा ने पुरुस्कृत किया।

आज के मैच- दो दिवसीय मैचः अंकुर अकादमी विरुद्ध एस क्रिकेट अकादमी (फेथ क्लब), मयंक अकादमी विरुद्ध रेलवे यूथ क्लब। टी-20 मैचः खेल पत्रकार एकादश विरुद्ध मास्टर्स एकादश, स्पार्टन्स विरुद्ध एनडीपीआईऐल।

सैयद मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्णकालिक अध्यक्ष नियुक्त

लाहौर,(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को सर्वसम्मति से अनुभवी प्रशासक सैयद मोहसिन रजा नकवी को तीन साल के कार्यकाल के लिए अपना अध्यक्ष (चेयरमैन) नियुक्त किया। अध्यक्ष का चुनाव लाहौर में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) की एक विशेष बैठक में हुआ। पीसीबी की वेबसाइट से नकवी ने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने पर मैं बेहद सम्मानित और आभारी महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मुझ पर दिखाए गए भरोसे और आत्मविश्वास के लिए मैं आभारी हूं। मैंने देश में खेल के स्तर को सुधारने और पाकिस्तान में क्रिकेट प्रशासन में पेशेवरपन लाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। पाकिस्तान के मीडिया दिग्गज 45 वर्षीय नकवी पीसीबी के 37वें पूर्णकालिक अध्यक्ष हैं।

भारतीय टीम सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के फाइनल में

नेपाल को 4-0 से दी शिकस्त, नेहा ने दागे दो गोल

ढाका,(एजेंसी)। नेहा के दो गोल की मदद से भारत ने मंगलवार को यहां अपने आखिरी लीग मैच में नेपाल को 4-0 से हराकर सैफ अंडर-19 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया।

मैच का पहला हाफ गोल रहित रहने के बाद नेहा ने 54वें और 80वें मिनट में गोलकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। टीम के लिए सुलांजना राउल (85वां मिनट) और रेमरौटपुई कोल्ने (90+3 मिनट) ने दो अन्य गोल किए। भारत के सामने गुरुवार को खेले जाने वाले फाइनल में मेजबान और मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश की चुनौती होगी। भारतीय टीम ने इससे पहले अपना पहला मैच भूटान के खिलाफ 10-0 से जीता था जबकि दूसरे मुकाबले में उसे बांग्लादेश से 0-1 से हार मिली थी।

दिल्ली से महज पांच घंटे की दूरी पर हैं ये शानदार हिल स्टेशन, वीकेंड पर जरूर करें एक्सप्लोर

वर्किंग प्रोफेशनल्स वीक शुरू होते ही घूमने के शौकीन लोग वीकेंड का इंतजार करने लगते हैं। कुछ लोग सोकर या टीवी देखकर अपना वीकेंड बिताते हैं। तो वहीं कुछ लोग ट्रिप प्लान कर निकल जाते हैं। अगर आप भी घूमने के शौकीन हैं, तो जाहिर सी बात है कि आप बेहतरीन जगहों की तलाश में रहते होंगे। जहां पर आप आसानी से वीकेंड बिता सकें। ऐसे में अगर आप दिल्ली में रहते हैं, तो आप उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। वहीं आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर दिल्ली से 5 घंटे की ड्राइव के बाद पहुंचा जा सकता है। ऐसे में आप भी इस वीकेंड इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

भरतपुर- बता दें कि दिल्ली से राजस्थान की दूरी बहुत ज्यादा नहीं हैं। यहां पर कई सारे टूरिस्ट प्लेस हैं, जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। लेकिन अगर आप दिल्ली से सबसे कम दूरी तय करना चाहते हैं, तो भरतपुर बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। सिर्फ 4-5 घंटे की ड्राइव के बाद आप यहां पहुंच सकते हैं। भरतपुर को राजस्थान का पूर्वी द्वार भी कहते हैं। यह शहर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। भरतपुर में आप केवलादेव नेशनल पार्क आकर कई सारे पशु-पक्षियों को देख सकते हैं। इसके अलावा सर्दियों में साइबेरियन सारस को भी देख सकते हैं। इसके अलावा आप भरतपुर में गंगा मंदिर, लोहागढ़ किला और भरतपुर पैलेस भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

रुड़की- दिल्ली के सबसे नजदीग बसी जगहों की लिस्ट में दूसरा नाम उत्तराखंड का है। उत्तराखंड भी बेहद खूबसूरत जगह है। लेकिन क्या आपके उत्तराखंड के रुड़की को एक्सप्लोर किया है। अगर आपका जवाब न है, तो इस वीकेंड आप रुड़की जा सकते हैं। रुड़की भी उत्तराखंड की अन्य जगहों के जितनी ही खूबसूरत है। साथ ही यहां पर आने में आपको ज्यादा समय भी नहीं लगेगा। सर्दियों में घूमने के लिए यह जगह सबसे बेस्ट है। यहां पर आप पहाड़, हरियाली और बड़े-बड़े देवदार से घिरा रुकड़ी देख सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर आईआईटी रुड़की, सोलानी पार्क और गंगा कैनाल आदि भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

जसपुर- इसके साथ ही उत्तराखंड का जसपुर भी आप इस वीकेंड एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह पहाड़ों के बीच बसा एक छोटा सा कस्बा है। घने जंगल, बड़े-बड़े देवदार के पेड़ और बर्फ से ढके छोटे-बड़े पहाड़ इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं अगर आपको एडवेंचर पसंद है, तो आप यहां ट्रेकिंग का आनंद भी उठा सकते हैं।

हॉकी खिलाड़ी वरुण पर पुलिस ने पॉस्को का मामला किया दर्ज

बेंगलुरु,(एजेंसी)। हैदराबाद की वॉलीबॉल खिलाड़ी की शिकायत पर पुलिस ने हॉकी खिलाड़ी वरुण कुमार पर यौन शोषण करने के आरोप में पॉस्को के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब वह 2016-17 में 17 वर्ष की उम्र में भारतीय खेल प्राधिकरण (दक्षिण डिवीजन) में वॉलीबॉल का प्रशिक्षण ले रही थी इस दौरान हॉकी खिलाड़ी वरुण सोशल मीडिया पर उससे परिचय हुआ और उसने शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि वरुण ने 2019 में डिनर के बहाने बेंगलुरु के जयनगर ले गए और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाये थे। पीड़िता ने वरुण पर पांच साल तक समय-समय पर शारीरिक संबंध बनाने का भी आरोप लगाया। वरुण अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी हैं वह वर्ष 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाले भारतीय टीम का हिस्सा थे। मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के निवासी वरुण 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का भी हिस्सा थे। उन्होंने 2017 में भारतीय हॉकी टीम में पर्दापण किया था।

पहला टेस्ट **अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड ने हासिल की 528 रन की विशाल बढ़त**

केन विलियम्सन ने दूसरी पारी में भी ठोका शतक

माउंट मोनगानुई,(एजेंसी)। पूर्व कप्तान केन विलियम्सन की मैच में दूसरी शतकीय पारी से न्यूजीलैंड ने दो मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट के तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका पर 528 रन की बड़ी बढ़त कायम कर ली है। दिन का खेल खत्म होते समय न्यूजीलैंड का स्कोर चार विकेट पर 179 रन था। डेरिल मिशेल (11) और टॉम ब्लंडेल (पांच) क्रीज पर मौजूद है। केन विलियम्सन उन्होंने 132 गेंद की पारी में 12 चौके और एक छक्का की मदद से 109 रन बनाए। विलियम्सन ने पहली पारी में 100 रन तक पहुंचने के लिए 241 गेंद लिये थे लेकिन उन्होंने दूसरी पारी इसके लिए महज 125 गेंद ली। टेस्ट क्रिकेट में यह उनका 31वां शतक है। वह नील ब्रांड की गेंद पर क्लाइड फोर्टुइन द्वारा स्टंप आउट हुए। अपने 97 टेस्ट में विलियमसन सिर्फ तीसरी बार इस तरह से आउट हुए हैं।

पहली पारी में दोहरा शतक जड़ने वाले रचिन रविंद्र इस पारी में महज 12 रन बना सके। इससे पहले पहली पारी में न्यूजीलैंड के 511 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम महज 162 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड ने 349 रन की बढ़त के बाद भी दक्षिण अफ्रीका को फॉलोऑन नहीं कराया। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत पहली पारी में चार विकेट पर 80 रन से की। रविंद्र (16 रन पर दो विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर (34 रन पर तीन विकेट) ने मंगलवार को पांच विकेट साझा किए जिससे टीम की पारी 72.5 ओवर में सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए कीगन पीटरसन ने सबसे ज्यादा 45 रन का योगदान दिया।

केन विलियम्सन ने अपने नाम किए कई रिकॉर्ड्स

- केन टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले न्यूजीलैंड के पांचवें बल्लेबाज है। उनसे पहले ग्लेन टर्नर, ज्योफ हॉवर्थ, एंड्रयू जोन्स और पीटर फुल्टन ने इस कारनामें को किया है।
- केन ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक शतकों की लिस्ट में जो रूट, शिवनारायण चंद्रपॉल और मैथ्यू हेडेन जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। यह केन विलियसम का 31वां टेस्ट शतक था।
- 30 या इससे ज्यादा टेस्ट शतकों के आंकड़े तक पहुंचने वाले केन विलियम्सन पहले कीवी बल्लेबाज भी हैं। उनके बाद न्यूजीलैंड की ओर से रोस टेलर है, जिन्होंने अपने करियर के दौरान 19 टेस्ट शतक ठोके थे।

गांव की कहानी

डा बी पी ताम्रकार

तितुर पक्षी के शिकार होने के कारण गांव का नाम तितुर घाट

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में धमधा विकासखंड मुख्यालय से पूर्व की ओर 3 किमी दूरी पर ग्राम तितुरघाट स्थित है। यही पर शिवनाथ नदी बहती है तथा इसी तट पर प्रसिद्ध चतुर्भुजी शिव मंदिर स्थित है। काले पत्थर पर निर्मित यह मूर्ति भव्य है। इस स्थल पर पहले तितुर पक्षी का शिकार बहुतायत में किया जाता था, धमधा के राजा भी यहां पक्षी का शिकार करने आते थे, इस कारण इस गांव का नाम तितुरघाट पड़ा। बताया जाता है कि धमधा स्थित किले से सुरंग तितुरघाट स्थित चतुर्भुजी मंदिर के पास निकलता था। प्रति वर्ष कार्तिक पूर्णिमा को नदी तट पर विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इस समय यहां का प्राकृतिक वातावरण काफी रमणीय होता है। पर्यटक प्रकृति का आनंद लेने इस स्थल तक पहुंचते रहते हैं।

पुस्तक समीक्षा

सिरपुर

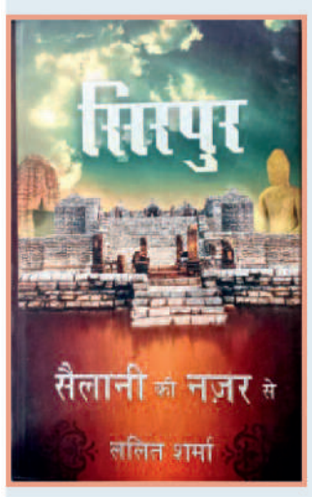

कृति के नाव
सिरपुर

कृतिकार
ललित शर्मा

प्रकाशक
सावित्री प्रकाशन नागपुर

समीक्षक
गोविंद साव

मूल्य
तीन सौ पचहत्तर रुपए

छत्तीसगढ़ के नक्शे में सिरपुर का धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक के साथ सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व के स्थलों में है। यहां कृतिकार ने सिरपुर के इन महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। इस पुस्तक में संग्रहालय, प्राचीन गढ़, गंधेश्वर मंदिर, जैन विहार, बालेश्वर शिवालय समूह, व्यापार विहार, सैर, धसकुड झरना, किस्बीन डेरा, आनंद प्रभ कुटी स्वास्तिक विहार, वन देवी खल्लारी, सुरंग टीला जैसे अनेक महत्व के स्थलों को बारीकी से रखने का अच्छा प्रयास किया है। यह पुस्तक पाठकों की जिज्ञासा को अवश्य शांत करेगी।

आदिवासी बाहुल्य राज्य छत्तीसगढ़ में जनजाति समाज में कई अनोखी परम्पराएं आज भी जीवित हैं। ऐसी ही परंपरा रायगढ़ समेत राज्य के अन्य हिस्सों में पाई जानी वाली पहाड़ी कोरवा जनजाति परिवारों में देखने को मिलती है। जब भी इन आदिवासियों के परिवार में किसी की मृत्यु हो जाती है, तो वह उसका अंतिम संस्कार करने के बाद अपने उस घर को छोड़ देते हैं, जिसमें उनके परिजन की मृत्यु हुई थी ।

परिजन की मौत के बाद अपना घर तोड़ देते हैं पहाड़ी कोरवा

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पहाड़ी कोरवा जाति निवास करते हैं। यह जाति अपनी अनोखी परंपरा के लिए जानी जाती है। इनकी चली आ रही परंपरा के अनुसार कुटुंब या परिवार में किसी की मौत होने पर पुराने घर को तोड़ कर नया घर बनाते हैं। आज भी यह जाति शिकार कर परिवार का पालन पोसन करते हैं। इस अंचल में आमानारा से लेकर टेड़ा सेमर, सलसेरा जैसे कोरवा बाहुल्य वन्य क्षेत्र में इन कोरवाओं के घर मिट्टी के बने होते हैं। नए घर पुराने घर के समीप ही बनाए जाते हैं। मौत के बाद पुराने घर को अपशकुन माना जाता है। यह आधुनिक परंपरा को अपनाना भी नहीं चाहते। यह जिस स्थान पर निवास करते हैं उस स्थान पर सुख सुविधाओं का पूरी तरह से अभाव देखा जाता है।

इस जनजाति का खानपान, रहन सहन दुरी जनजातियों से अलग होता है। यह जंगलों से मिलने वाले कंदमूल, फल और अन्य वनस्पतियों को खाकर अपना जीवन बिताते हैं। इन्हे भोजन पकाना या खाना होता है, तो वह खुद के बनाये मिट्टी के बर्तन का ही उपयोग करते हैं।पहाड़ी कोरवा जनजाति का पूरा जीवन प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं पर आश्रित होता है। उन्हें अपने जल,जंगल और जमीन से लगाव होता है। उनकी संस्कृति ,तीज ,त्योहारों में ही कुदरत के रंग छुपे होते हैं।

परंपराः पंकज तिवारी

बाहरी लोगों से मेलजोल पसंद नहीं

इस जनजाति के लोग बेहद ही सादगी से जीना पसंद करते हैं। आज भी आधुनिक दौर का असर उनपर नहीं पड़ा है, वह प्रकृति से मिले सीमित संसाधनों में ही अपना जीवन व्यतीत करने पर यकीन करते हैं। देखा जाता है कि पहाड़ी कोरवा जनजाति समय के साथ आधुनिक होती जा रही अन्य जातियों के लोगों से दूरी बनाकर रहना पसंद करते हैं। वह अपनी बस्तियों में बाहरी लोगों के आवागमन को पसंद नहीं करते। सरकार ने इस जनजाति के विकास और उत्थान के लिए कई योजनाएं चला रखी हैं, लेकिन यह आदिवासी अपने परम्परागत जीवन से अलग नहीं होना चाहते।

मनमोहक है कुमेली झरना

पर्यटनः कमलेश यादव

उत्तीसगढ़ का सरगुजा अंचल प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। यहां पर्वत, नदियों और पहाड़ों के बीच अनेक कल कल बहती मनोरम झरनों को देखा जा सकता है। प्रकृति की इन वादियों में ऐसा ही एक कुमेली झरना है जो सूरजपुर जिले के रामानुजगंज विकासखंड में स्थित है। यह झरना जिला मुख्यालय से लगभग 20 किमी दूरी पर स्थित है। इसे जिला मुख्यालय से करीब का झरना माना जाता है। यहां बहते झरने को देखकर मन प्रफुल्लित हो जाता है। यहां झरने का नजदीक से लुत्फ उठाने के लिए सीढ़ियों का निर्माण किया गया है। ऊंची स्थान से इस दृश्य को निहारने का आनंद ही कुछ और होता है। स्थानीय निवासियों के अनुसार पर्यटकों की संख्या में इस स्थान पर लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है।

विकास के क्रम में छत्तीसगढ़ी नाटक

लोक साहित्यः श्यामा सिंह

छत्तीसगढ़ी में लोक नाट्य विधा भी अपने आप में जन जागरण काल में महती भूमिका निभाई है। डॉ खूबचंद बघेल को छत्तीसगढ़ी का प्रथम नाटककार माना जाता है। आपने ऊंच अऊ नीच, करमछढहा, जनरैल सिंह, बेटवा बिहाव और किसान के करलई जैसे नाटकों के माध्यम से समाज को जागृत करने का काम किए। टिकेंद्र टिकरिहा कृत साहूकार से छुटकारा, सर्वनाश, फनदी जैसे अनेक नाटक सामाजिक चेतना पर लिखी व मंचित किए गए। डा विमल पाठक और पी आर बसंता रचित हिंदी मास्टर, लोचन प्रसाद पांडेय रचित कलिकाल और हिंदी मास्टर, शुक्लाल पांडेय रचित उपसहा दमाद बाबू, सीख देवैया और केकरा धरैया, उदयराम रचित रामचरित नाटक, डा रामलाल कश्यप रचित श्रीकृष्ण युद्ध और रतनपुर, गजाधर प्रसाद रजक रचित बांटा, बाबूलाल सीरिया रचित महासती बिंदरमति, बंगाली प्रसाद ताम्रकार रचित मसाल के जोत, डॉ महेंद्र कश्यप रचित गांधी अऊ गंगा के देश गांव में, बंटवारा, नई जानन का चीज, लुकाय जेमा सब्बो बीज, रंग सब एक, महारसिया, राम कृष्ण अग्रवाल रचित गंवई बर अंजोर, लखनलाल गुप्त रचित जाग छत्तीसगढ़ जाग, सुंदर लाल शर्मा रचित सीमा परिणय और केयूर भूषण कृत सोन कैना प्रमुख रहे।

अनेक विषयों के ज्ञाता थे पंडित यदुवंशनाथ ठाकुर

सुरताः सरयूकांत झा

पंडित यदुवंशनाथ ठाकुर संस्कृत, फारसी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन और छत्तीसगढ़ी के अच्छे ज्ञाता थे। आप सभी धर्मो के प्रति श्रद्धा का भाव रखते थे। आप मूल रूप से रायपुर के निवासी थे। आप अंचल के साहित्यिक विभूतियों से किसी जटिल विषयों पर लगातार चिंतन मनन किया करते थे। आप अनेक धर्मों के अच्छे उपदेशक होने के साथ ही रामायण के अच्छे जानकार भी रहे। आपकी नियुक्ति उपदेशक के रूप में रायपुर के केंद्रीय जेल में हुई थी। इस पद पर लगभग 20 वर्षो तक आपने कार्य किए। आप कारावासी कैदियों से धर्म संबंधी गूढ़ रहस्यों के बारे में भी चर्चा किया करते थे। कैदी भी आपकी बातों को गंभीरता से सुना करते थे। अंगेजों की अंग्रेजी भाषा का अनुवाद भी आप हिंदी भाषा में किया करते थे। आप सरल स्वभाव होने के कारण लोगों के बीच काफी लोकप्रिय भी रहे। आज भी आपके बताए मार्ग पर चलने वाली प्रतिभाएं आपको स्मरण करते हैं।

कला जगत

डा रमाकांत सोनी

करमा नृत्य में संगीत संयोजन

छत्तीसगढ़ अंचल में विभिन्न जनजातीय समय समय पर करमा नृत्य करती हैं। यह करमा नृत्य ऋतु के अनुसार, मांगलिक पर्व तथा मेला मड़ई और अनेक शुभ अवसर पर प्रस्तुत किए जाते हैं। करमा नृत्य में संगीत संयोजन समृद्ध होती है। राग के अनुरूप ही नृत्य शैली बदलती रहती है। इसमें गीतों का टेक समूह गान के रूप में गूंजता रहता है। बैगा आदिवासियों के करमा को बैंगानी करमा कहते हैं। ताल और लय के अंतर से यह करमा खाप, करमा लहकी, करमा खरी और करमा झूलनी होते हैं। करमा गीत में तीन भाग राग, टेक और आड़ होते हैं। गायन शैली के पांच भेद झूमर, लंगड़ा, लहकी ठाडा और रागिनी होते हैं। लहर वाले नृत्य को लहकी, एक पैर को झुकाकर नृत्य लंगड़ा, खड़े होकर नृत्य ठाडा, आगे पीछे होकर नृत्य लचका तथा खेमटा कहलाता है।

मोदी जी दबाव और दमन के बल पर इंडिया गठबंधन को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं : सपा जिलाध्यक्ष

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के निर्देश पर चल रहे पीडीए पखवाड़े के तहत सदर विधान सभा के कुसुम्हीं कलां, जमानियां विधान सभा के मगरखांई, जखनियां विधान सभा के हाजीपुर, जलालपुर धनी, रामपुर पतारी, कुंदशीर्पुर और जंगीपुर विधान सभा के जुझारपुर और कोर गांव में जनपंचायत का आयोजन किया गया। सैदपुर विधान सभा के बहुरा गांव में जनपंचायत को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने रालोद के एनडीए में शामिल होने की उड़ती खबर को अफवाह बताते हुए कहा कि रालोद हमारा खुन खानदान है। उन्होंने कहा कि हार करीब देखकर मोदी जी दहशत में हैं। जिसके चलते वह लगातार दबाव और दमन के बल पर इंडिया गठबंधन को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही तमाम दल मोदी जी के दबाव में आ जायें लेकिन समाजवादी पार्टी कत्तई उनके दबाव में आने वाली नहीं। हम अपने उसूल पर कायम रहेंगे। उन्होंने समाजवादियों के गौरवशाली इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि तानाशाहों से लड़ना हमारी पुरानी फितरत रही है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों की जालिम हुकूमत रही हो चाहे इंदिरा जी की तानाशाही हुकूमत समाजवादियों ने किसी के जुल्म सामने घुटने नहीं टेके हैं तो मोदी जी की क्या विसात? उनकी जुल्म और ज्यादती का हम पर कोई असर पड़ने वाला नहीं हैं। उन्होंने भाजपा को सामाजिक न्याय का विरोधी बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार पिछड़ों के हक और अधिकार पर डाका डाल रही है। उन्होंने भाजपा सरकार से तत्काल जातीय जनगणना कराने की मांग दोहराते हुए कहा कि जातीय जनगणना होगी तभी सभी को उनके संख्या के हिसाब से हक और अधिकार मिल सकेगा। लेकिन भाजपा सरकार वंचितों और शोषितों को उनका हक नहीं देना चाहती है। इसलिए भाजपा जातीय जनगणना कराने से भाग रही है।उन्होने होने वाले लोकसभा के चुनाव को पार्टी के लिए चुनौती बताते हुए कहा कि हमारी लड़ाई साम्प्रदायिक एवं फासिस्टवादी सोच के लोगों से है जो नफरत और घृणा की सियासत कर रहे हैं। उन्होंने पिछड़े समाज को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि पिछड़ा समाज भाजपा द्वारा दिए जा रहे प्रलोभन और उसके बहकावे में न आवें। पिछड़े समाज को अपने हक और अधिकार के लिए सचेत होना होगा। कुसुम्हींकलां में जनपंचायत को संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यसमिति के विशेष आमंत्रित सदस्य रामधारी यादव ने भाजपा को झूठ का पर्याय बताते हुए कहा कि भाजपा नकारात्मक राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि जब भी समाजवादी पार्टी को प्रदेश में सरकार बनाने का मौका मिला है, हमने जनता के बुनियादी सवालों को हल करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने झूठ परोसने के अलावा प्रदेश में और कोई कार्य नहीं किया। उन्होंने कहा कि देश में परिवर्तन की बयार चल रही है। सत्ता परिवर्तन तय है।

इन जनपंचायतों में मुख्य रूप से खेदन यादव, गोविंद यादव, तहसीन अहमद, राजेन्द्र यादव, अवधेश यादव उर्फ राजू यादव, अनिल यादव, गोवर्धन यादव, जै हिंद यादव, कमलेश यादव, सदानंद कनौजिया, जगतमोहन बिंद, प्रभुनाथ राम, सिकंदर कन्नौजिया, काशीनाथ पासी, प्रद्युम्न विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

सड़क मरम्मत की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

लबनिया, कुशीनगर। स्थानीय विकास खंड के अमरवा - लबनिया संपर्क मार्ग की मरम्मत करवाने की मांग की को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और सड़क मरम्मत की मांग जिम्मेदारों से की। बुधवार को ग्राम लबनिया के प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने अमरवा - लबनिया संपर्क मार्ग की मरम्मत करवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि एन एच 28 लबनिया चौराहा से निकलकर दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली सड़क की हालत काफी खराब हो गइ है। सड़क की गिट्टी जगह-जगह उखड जाने से छोटे बड़े गड्ढे उभर आए हैं जिससे आने जाने वाले राजगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ग्राम प्रधान ने कहा कि इसी सड़क से होकर हजारों महिला, पुरूष, स्कूली बच्चे आते जाते है। स्कूलों की बस, गन्ना लदी गाड़ियों का आना-जाना लगा रहता है । सड़क का मरम्मतीकरण हो जाने से लोगों को आने-जाने में काफी सहूलियत मिलेगी। हम लोग विभागीय लोगों से मांग करते हैं कि इस सड़क की जल्द से जल्द मरम्तिकरण करने का कार्य करें।

मुख्य विकास अधिकारी ने अवशेष 23 पंचायत भवनों को यथाशीघ्र पूर्ण करने का दिया निर्देश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अन्तर्गत जिला स्वच्छ भारत मिशन समिति गाजीपुर की बैठक दिनांक 06 फरवरी, 2024 को सांय काल मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार गाजीपुर में सम्पन्न हुयी। बैठक में गत बैठक के निदेशों के अनुपालन आख्या पर विचार किया गया।

उक्त बैठक में पंचायती राज विभाग की समस्त योजनाओं जैसे व्यक्तिगत शौचालय, रिट्रोफिटिंग, ओडीएफ अंतर्गत अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु कराए जाने वाले कार्यों, पंचायत भवन, अंत्येष्टि स्थल, सामुदायिक शौचालय की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अवशेष 23 पंचायत भवनों को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिया। जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में ओडीएफ अंतर्गत कुल 61 रिसोर्स रिकवरी सेंटर बनकर तैयार हैं, जहां पर शहरों की तर्ज पर कूड़ा उठान का कार्य एवं कूड़ा निस्तारण का कार्य किया जाना है किंतु उनमें से मात्र 14 केंद्र संचालित है। जिस पर सीडीओ द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी एडीओ पंचायत को निर्देशित किया कि सभी आरसी सेंटर को संचालित कराकर गांव को स्वच्छ बनाएं उक्त के अतिरिक्त सीडीओ द्वारा समस्त ए0डी0ओ पंचायत को यह निर्देश दिए की पंचायत सचिवाल के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा कर उनमें प्रगति करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, समस्त ए0डी0ओ0 पंचायत एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सामाजिक कार्यकर्ताओ एवं सखी वन स्टाफ सेंटर के प्रयास से पिड़ित महिला व बच्चों को सुरक्षित पहुंचाया गया उनके घर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वन स्टाफ सेन्टर के प्रभारी प्रियंका प्रजापति द्वारा बताया कि 5 फरवरी को गाजीपुर के कासिमाबाद तहसील क्षेत्र के भटौली गगौली गांव की रहने वाली मूक बधिर पिड़िता एवं उनके दो बच्चो के साथ भटक गई थी। वह गत दोनों किसी तरह शहर कोतवाली महिला थाने को मिली। मूक बधिर होने के कारण वह अपनी पहचान महिला थाना को नहीं दे पाई और रोने लगी। इस पर महिला थाना पुलिस ने उसे उसी दिन शाम को करीब 5 बजे जिला मुख्यालय के गोराबाजार जिला अस्पताल में स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर को सुपुर्द कर दिया। उन्होने बताया कि महिला पढ़ी लिखि न होने के कारण अपना पता लिखने में असमर्थ थी एवं घर जाने हेतु परेशान थीं। जिस पर देर शाम 112 की सहायता से उसके घर को खोजने का प्रयास किया गया परन्तु घर का पता नहीं चला। जिला विकलांग संस्थान से सम्पर्क कर पिड़ित महिला के बातो को समझने हेतु विशेष प्रशिक्षण प्राप्त अध्यापक को वन स्टाफ सेन्टर बुलाया गया परन्तु महिला के आशिक्षित होने के कारण जानकारी नही मिल पायी। जिस पर मिडियां में सूचना देने के उपरान्त बन स्टॉप सेन्टर द्वारा सहायता मॉगी गयी। सामाजिक कार्यकर्ताओ एवं सखी वन स्टाफ सेंटर के समस्त कार्मिको के प्रयास से उनके परिवार को खोजकर पिडित महिला बच्चो को सुरक्षित पहुचाया गया।

स्मार्टफोन से पठन-पाठन कर बने स्मार्ट युवा: प्रो. डा. राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत कुशलपाल सभागार में कला संकाय के तृतीय वर्ष के छात्रों-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय थे। इस दौरान प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय का उद्बोधन हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों से मुखातिब होते हुए कहा कि स्मार्टफोन से विद्यार्थियोंको पढ़ लिख कर स्मार्ट बनना चाहिए।सरकार की युवाओं को केंद्रित विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत स्मार्टफोन और टैबलेट दिया जा रहा है। सूचना क्रान्ति के इस युग मे युवाओं को सरकार की इस योजना का लाभ पठन-पाठन को सुगम बनाने के लिए करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान कुल 500 छात्र-छात्राओं को मोबाइल फोन वितरित किया गया। इस मौके पर मुख्य नियंता प्रोफेसर (डॉ०) एस०डी० सिंह परिहार, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर (डॉ०) एस० एन० सिंह के साथ ही डॉ० रामदुलारे, डॉ० योगेश कुमार, डॉ० हरेन्द्र सिंह, डॉ० रवि शंकर वर्मा, डॉ० रवि शेखर सिंह, डॉ० विजय कुमार सिंह, डॉक्टर शैलेंद्र सिंह, डॉक्टर श्रवण कुमार शुक्ला, डॉक्टर सुधीर कुमार सिंह, श्री अविनाश चंद्र, डॉ० अभिषेक यादव, डॉ० गौतमी जायसवारा, डॉ०आलोक रंजन श्रीवास्तव, डॉ०अशोक कुमार, डॉ० पीयूष कांत सिंह, डॉ०अजय कुमार श्रीवास्तव, डॉ० नितीश कुमार सिंह, डॉक्टर संतोष कुमार सिंह, डॉ० शशिशेखर, घनश्याम, कृष्ण मुरारी, सुनील, शिवबचन, नीरज सिंह, सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

अमर नाथ यादव की अध्यक्षता में संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। संयुक्त किसान मोर्चा, गाजीपुर की बैठक अमर नाथ यादव की अध्यक्षता में भारद्वाज भवन में आयोजित की गई। बैठक का संचालन एसकेएम नेता और पूर्व विधायक राजेंद्र यादव ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव और एसकेएम यूपी कोर कमेटी के नेता ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि मोदी सरकार दिल्ली किसान आंदोलन से, अपने किए लिखित वादे से पीछे हट गई है। चाहे एम एस पी गारंटी कानून बनाने का या संसद में पेश बिजली बिल 2022 को वापस लेने का मामला, अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी और किसानों पर दर्ज मुकदमों की वापसी, ये सारे वादे कूड़ेदान में फेंक दिए गए हैं। केंद्र एवम् राज्य के बजट में भी किसानों के संग भारी धोखा हुआ है और कारपोरेट मित्रों को फायदा पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि तीन काले कृषि कानूनों के वापसी के वावजूद खेत खेती और किसान पर हमला जारी है। इसी तरह देश का संगठित और असंगठित क्षेत्र का मजदूर वर्ग भी सरकारी हमले का शिकार है। संघर्ष के बल पर बने मजदूर हितैषी 44 कानूनों को समाप्त कर 4 श्रम कोड बना दिए गए हैं। सार्वजनिक क्षेत्रों को निजी हाथों में बेचा जा रहा है। रोजगार समाप्त किए जा रहे हैं। आशा, आंगनबाड़ी, रसोइया सहित दर्जनों सेक्टरों में मानदेय पर बधुआं मजदूर की तरह खटाया जा रहा है। पुरानी पेंशन बहाली, किसानों, मजदूरों को 10000रू प्रति माह पेंशन की मांग भी उठ रही है। उन्होंने कहा कि पहली बार देश के किसान संगठन, केंद्रीय ट्रेड यूनियन और फेडरेशन एक साथ मिलकर हड़ताल और ग्रामीण भारत बंद कर रहे हैं। ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने गाजीपुर जिले के किसान मजदूर संगठनों कर्मचारी संगठनों, व्यापारी संगठनों, छात्र युवा सगठनों से 16 फरवरी के भारत बंद को सफल बनाने की अपील की। बैठक में अखिल भारतीय किसान सभा (अजय भवन)के अशोक मिश्र, घूरा राम, भाकियू के लल्लन यादव, उत्तर प्रदेश किसान सभा के नसीरुद्दीन और योगेंद्र यादव, कृषि भूमि बचाओ संघर्ष मोर्चा के रामाश्रय यादव, हम भारत के लोग संगठन से राम कृत राजभर, अखिल भारतीय किसान महासभा के मोती प्रधान मौजूद थे। बैठक में यह भी तय हुआ कि भारी संख्या में जिला मुख्यालय पर इकट्ठा हुआ जाय और अन्य सगठनों के साथ जुलूस निकाला जाय और अंत में जिला प्रशासन को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा जायेगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने आयुष्मान योजना का लाभ मिलने पर पीएम को दिया धन्यवाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आयुष्मान भारत योजना जो भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के लाभार्थी को 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज मिलता है। अभी तक इस योजना में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता शामिल नहीं थे। लेकिन पिछले दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में जब बजट पेश किया तब उन्होंने इस योजना में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को भी इसका लाभ देने का ऐलान किया। इसके बाद से ही आंगनबाड़ी कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। क्योंकि जो उनका मानदेय है उसे मानदेय में उनका परिवार चलाना ही काफी कष्टकारी होता है। ऐसे में परिवार के किसी सदस्य की बीमारी पर उनका इलाज करना एक बड़ी समस्या के रूप में आ जाती थी। लेकिन अब इस योजना का लाभ मिलने से गाजीपुर में चलने वाले 4127 आंगनबाड़ी केदो के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता काफी खुश नजर आ रहे हैं। सदर ब्लाक के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तारा कुशवाहा ने बताया कि इस योजना का लाभ देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत-बहुत धन्यवाद। क्योंकि हमारे जैसे सामान्य लोगों के बारे में उन्होंने सोचा। क्योंकि हम जैसे लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या इलाज के लिए पैसा जुटाना होता है। लेकिन अब इस योजना का लाभ मिलने से हमारे परिवार को काफी राहत मिलेगी। सदर ब्लॉक की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बीना राय ने बताया कि प्रधानमंत्री ने हमारे जैसे सामान्य परिवार के लोगों के बारे में विचार किया। क्योंकि हम जैसे लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या इलाज के लिए पैसे का इंतजाम करना होता है। क्योंकि आज का इलाज काफी महंगा हो चुका है। जो हम लोगों के बजट के बाहर का होता था। लेकिन अब इस योजना का लाभ मिलने से हमें काफी राहत मिलेगी। पचोखर गांव की रहने वाली राजमती गुप्ता जो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ देने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रणाम करती हूं। क्योंकि उन्होंने इस योजना का लाभ देकर हमारे परिवार के ऊपर एक बहुत बड़ी कृपा की है। हम लोग बहुत परेशान होते थे जब हमारे परिवार में कोई बीमार होता था। क्योंकि जिस हिसाब से मानदेय है उसे हिसाब से हम लोगों को परिवार चलाना ही काफी कष्टकारी होता है।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति जिला गंगा समिति व जिला पर्यावरण समिति की बैठक हुई संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति व जिला पर्यावरण समिति की बैठक पंडित दीनदयाल सभागार, विकास भवन में संपन्न हुआ। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने मियांवाकी पद्धति द्वारा वृक्षारोपण कराए जाने पर बल दिया। जनपद गाजीपुर में वर्ष 2024 में वृक्षारोपण हेतु शासन द्वारा कुल 4018100 वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा लक्ष्य को पूर्ण समयाअवधि में करा लिया जाय। संबंधित विभागों को उनके लक्ष्य के बारे में बताया गया साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष स्थल का चयन कर शीघ्र उपलब्ध करा दे। प्रभगीय निदेशक विवेक यादव ने बताया कि जनपद गाजीपुर के विभिन्न विकासखंड में वन विभाग द्वारा स्थापित पौधशालाओं में लगभग कुल 60 लाख पौधा जिसमें फलदार, औषधि, इमरती आदि पौधे तैयार किया जा रहा हैं। इस बैठक में संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। गंगा समिति की समीक्षा के उपरान्त बताया गया कि शहरो का गंदा पानी व कचड़ा सीधे गंगा में जाता है, जिसपर मुख्य विकास अधिकारी ने नगर पालिका परिषद सदर को निर्देशित किया कि गंगा नदी का पानी जो नाले के माध्यम से जा रहे है सभी नालो पर जाली लगाने का निर्देश किया।

संक्षिप्त खबरें

गैर जमानती वारंटी अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना दुल्लहपुर पुलिस द्वारा गैर जमानती वारण्टी की सफल गिरफ्तारी की गई। पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में अपराध एवम् अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 07.02.2024 को सुबह करीब 6:30 वांछित/पुरस्कार घोषित अभियुक्तो व गैर जमानती वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये अभियान मे थाना दुल्लहपुर पुलिस के द्वारा मु0नं0 101/22 धारा 363,377 भादवि व 5/6 पास्को एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी विरेन्द्र उर्फ विन्दू राम पुत्र स्व0केदार राम नि0 सिखडी थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, जो काफी दिन से फरार चल रहा था, की गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में SI जगतपति मिश्रा व हे0का0 रविप्रताप यादव थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने नवागंतुक जिलाधकारी को मोमेंटम और बुके सौंप किया भेंटवार्ता

प्रखर जौनपुर। भारतीय पत्रकार सुरक्षा मिशन संगठन के पदाधिकारियों ने आज जिलाधिकारी के कार्यालय पहुंच कर जौनपुर जिले के नए जिलाधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार मादड़ से एक भेंटवार्ता की,इस मौके पर संगठन के एक प्रतिनिधि मंडल ने मोमेंटम एवम गुलदस्ता सौंप जिलाधिकारी को संक्षिप्त में जौनपुर के बारे में अवगत कराया,जिलाधिकारी ने जिले के पत्रकारों को हर संभव प्रशासनिक सहयोग देने का आश्वासन दिया,प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार सैयद नौशादअली,शम्सी अजीज,रियाजुल हक,संजय सिंह,बख्तियार आलम,साकीब अहमद मौजूद रहे।

परवेज अख्तर बने ग्रापए के मंडल प्रवक्ता/ मीडिया प्रभारी

संतकबीरनगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष डा. संजय द्विवेदी ने दुधारा निवासी तथा वरिष्ठ पत्रकार मुहम्मद परवेज अख्तर को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन बस्ती मंडल का प्रवक्ता/मीडिया प्रभारी मनोनीत किया है। इनके मनोनयन पर जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी, मुहम्मद आफताब आलम अंसारी, तहसील अध्यक्ष खलीलाबाद अतहरूल बारी, तहसील अध्यक्ष मेंहदावल महबूब पठान, तहसील अध्यक्ष धनघटा अश्विनी कुमार पाण्डेय, महेन्द्र श्रीवास्तव, मनौव्वर हुसेन, जफीर करखी, सुभाष मणि त्रिपाठी, गगेश्वर मिश्रा, नूर आलम सिद्दीकी, टीएच सिद्दीकी, जावेद अहमद, एजाज अहमद, शफीक अहमद, कमरे आलम अंसारी, सत्यप्रकाश वर्मा, नसीम अहमद, खुर्शीद अहमद, जहीर अहमद, मुकेश कुमार श्रीवास्तव आदि ने बधाई दी है।

फायर सर्विस टीम द्वारा अग्निशमन उपकरणों के सम्बन्ध में दिया गया प्रशिक्षण , छात्र छात्राओं को किया गया जागरूक

संतकबीरनगर। पुलिस महानिदेशक, अग्निशमन तथा आपात सेवाएं उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश के क्रम में पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता के निर्देशन में अग्नि शमन अधिकारी अशोक यादव मय टीम द्वारा माङ्गमुख्यमंत्रीस्कूलसुरक्षाकार्यक्रमफेज-2 के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय महुली, किसान इण्टर कालेज सिकटहा, कम्पोजिट स्कूल सोनाडी में अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं को अग्नि सुरक्षा सम्बंधित जानकारी तथा सावधानियों के बारे में बताया गया एवं मॉक ड्रिल कराते हुए जागरूक किया गया। उपस्थित लोगों को प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों को चलाने हेतु प्रशिक्षण देते हुए अग्नि से सुरक्षा के सम्बंध में जागरूक किया गया, जिससे कि कोई आकस्मिक दुर्घटना होने पर प्रभावी कार्रवाही करते हुए क्षति होने से रोका जा सके। अकार्यशील अग्नि सुरक्षा उपकरणों को तत्काल कार्यशील कराए जाने हेतु सम्बंधित को हिदायत किया गया है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं